दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 223 | ग्वालियर गुरुवार 20 अगस्त 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

समुंद्र में हर चुनौती का माकूल जवाब देने के लिए नौसेना की तैयारियों पर भरोसा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के साथ सीमा पर विवाद के बीच बुधवार को कहा कि भारतीय नौसेना ने प्रमुख और संवेदनशील स्थानों पर जहाजों और विमानों को तैनात कर समुद्री हितों की रक्षा के लिए मिशन-आधारित तैनाती को प्रभावी ढंग से पूरा किया है। राजनाथ ने नौसेना के शीर्ष कमांडरों के तीन दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए नौसेना की प्रशंसा की और अपने जहाजों, विमानों को तैनात करके किसी भी चुनौती का %माकूल जवाब% देने की इसकी तैयारियों पर भी भरोसा जताया।

इस सम्मेलन का मकसद समुद्री सुरक्षा सरंचना की गहराई से समीक्षा के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा पर चीन से जारी गतिरोध पर चर्चा करना है। उल्लेखनीय है कि सीमा विवाद के बाद चीन को स्पष्ट संदेश देने के लिए भारतीय नौसेना ने हिंद महासगार क्षेत्र के अग्रिम मोर्चों पर युद्धपोतों और पनडुब्बियों की तैनाती की है। रक्षा मंत्री ने ट्वीट किया, %मैं देश के समुद्री हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भारतीय नौसेना का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि नौसेना जहाजों और विमानों को तैनात करके अपनी तैयारियों से किसी भी चुनौती का माकूल जवाब दे सकती है। सम्मेलन के दौरान हिंद महासागर में चीन से मिलने वाली चुनौती समेत सभी संभावित सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। राजनाथ सिंह ने कहा, %भारतीय नौसेना ने प्रमुख और संवेदनशील स्थानों पर जहाजों और विमानों को तैनात कर समुद्री हितों की रक्षा के लिए मिशन-आधारित तैनाती को प्रभावी ढंग से पूरा किया है।% इससे पहले अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन में नौसेना की युद्ध तैयारियों के साथ-साथ भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत के सुरक्षा हित संबंधी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जहां पर चीन तेजी से अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है

केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर से 10,000 सैनिकों की तत्काल वापसी का दिया आदेश

नई दिल्ली। ट्रायल के आधार पर जम्मू-कश्मीर के दो जिलों में 4जी मोबाइल इंटरनेट सेवा बहाल घाटी में आतंकियों द्वारा भाजपा नेताओं पर हो रहे हमले से कार्यकर्ताओं में दहशत, पिछले 24 घंटे

में आठ ने दिया इस्तीफा केंद्र सरकार ने केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर से अर्द्धसैनिक बलों के करीब 10,000 सैनिकों की तत्काल वापसी का दिया आदेश दिया है। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती की समीक्षा की, जिसके बाद निर्णय लिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने को बताया कि सीएपीएफ की कुल 100 कंपनियों की तत्काल वापसी का और उन्हें देश में उस स्थान पर लौटने का आदेश दिया गया है।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला,

नौकरी के लिए होगा अब केवल एक टेस्ट, गन्ना किसानों को भी बड़ी राहत

नयी दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा, नौकरी के लिए युवाओं को बहुत से टेस्ट देने होते हैं। इसे समाप्त करने के लिए एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। राष्ट्रीय भर्ती संस्था कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट लेगी, जिसका करोड़ों युवाओं को फायदा मिलेगा। जावड़ेकर ने कहा, नौकरी के लिए युवाओं को बहुत परीक्षाएं देनी पड़ती हैं। 20 भर्ती एजेंसियां हैं, ऐसे में हर एजेंसी के लिए परीक्षा देने के लिए कई जगह जाना पड़ता है। अब राष्ट्रीय भर्ती परीक्षा कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट लेगी। इससे करोड़ों युवाओं को लाभ मिलेगा। सचिव सी चंद्रमौली ने कहा, केंद्रीय सरकार में लगभग 20 से अधिक भर्ती एजेंसियां हैं। अभी हम केवल तीन एजेंसियों की परीक्षा कॉमन कर रहे हैं, समय के साथ हम सभी भर्ती एजेंसियों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट करेंगे। केंद्रीय

मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने संवाददाता सम्मेलन में बताया, 1 करोड़ गन्ना किसानों के लिए लाभकारी मूल्य बढ़ाकर 285 रु प्रति क्विंटल निश्चित हुआ है। ये 10 प्रतिशत रिकवरी के आधार पर है। अगर रिकवरी 9.5 प्रतिशत या उससे भी कम रहती है तो भी गन्ना किसानों को संरक्षण देते हुए 270 रुपए दाम मिलेगा। जावड़ेकर ने कहा, इथेनॉल भी सरकार अच्छे दाम पर लेती है। सरकार ने पिछले साल 60 रु प्रति लीटर के दाम पर 190 करोड़ लीटर इथेनॉल खरीदा था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उज्जवल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना के तहत पिछले साल के राजस्व के कार्यशील पूंजी की 25 प्रतिशत की सीमा से ऊपर ष्ठद्धस्ष्टह्रूह्य को ऋण देने के लिए पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन को एकमुश्त छूट देने की मंजूरी दी। प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने करीब 3 एयरपोर्ट के निजीकरण को भी मंजूरी दे दी है, कैबिनेट ने जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट को पीपीपी मॉडल के तहत लीज देने का फैसला किया है। ये एयरपोर्ट 50 साल के लिए लीज पर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, प्राइवेट होने से जो पैसे आएंगे उससे छोटे शहरों में एयरपोर्ट विस्तार पर काम किया जाएगा।

सरकार की कोरोनाकाल में गरीबों को मदद: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का ऐलान-

1 रुपए किलो की दर से गेहूं, चावल और नमक मिलेगा, प्रदेश के 37 लाख परिवारों को फायदा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में सितंबर से सभी गरीबों को 1 रुपए किलोग्राम की दर से गेहूं, चावल और नमक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 15 लाख परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत एक रुपए प्रति किलोग्राम की दर से गेहूं और चावल दिलाने के लिए 10 दिन में दस्तावेज तैयार कराए जाने का लक्ष्य रखा है। ये हितग्राही सितंबर माह से उचित मूल्य राशन का लाभ उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने ऐलान किया कि एक सितंबर से प्रदेश के ऐसे सभी गरीबों को, जिन्हें अभी तक पीडीएस की दुकानों से राशन नहीं मिल रहा था उन्हें एक रुपए किलो में गेहूं, एक रुपए किलो में चावल और एक रुपए किलो में नमक मिलेगा। प्रति व्यक्ति के हिसाब से हर महीने 5 किलो राशन दिया जाएगा। डेढ़ लीटर केरोसीन भी दिया जाएगा। इसके अलावा गरीब परिवारों को नवंबर माह तक 5 किलो प्रति व्यक्ति निःशुल्क राशन भी मिलेगा। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के 37 लाख परिवारों को फायदा

मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बुधवार को सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे अपने जिलों में जोड़े गए नए हितग्राहियों को 31 अगस्त तक पात्रता पर्चियां जारी कर दें। साथ ही उनका आधार वेरिफिकेशन भी करा लें, जिससे एक सितंबर से उन्हें राशन मिल सके। मुख्यमंत्री ने मंत्रालय से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के नए हितग्राहियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग से जुड़कर चर्चा भी की। मुख्यमंत्री ने बताया कि नए हितग्राहियों की पात्रता पर्ची शासन के एम-राशन एप और पोर्टल से डाउनलोड की जा सकती है। मुख्यमंत्री सभी कलेक्टर्स को चेताते हुए कहा कि सभी नवीन हितग्राही को एक सितंबर से पहले उनके घर पर पात्रता पर्ची अनिवार्य रूप से भेज दी जाए। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार की वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत अब हितग्राही किसी भी राशन की दुकान से राशन ले सकते हैं। राशन लेने के लिए हर हितग्राही की आधार फीडिंग जरूरी है। प्रत्येक हितग्राही अपनी पास की दुकान पर अपना आधार कार्ड दिखवाकर उसकी प्रविष्टि करवा दें।

कमलनाथ होंगे मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अब मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए गए हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से विधानसभा के प्रमुख सचिव को इस संबंध में पत्र भेजा गया है। पिछले छह महीने से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली था। प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने इसकी पुष्टि कर दी है। प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि कमलनाथ को नेता प्रतिपक्ष के बतौर प्रोटोकाल दिए जाने का भी आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि अब तक नेता प्रतिपक्ष के लिए कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता रेस में थे, जिनमें विधायक

गोविंद सिंह, सज्जन सिंह वर्मा, बाला बच्चन, पूर्व स्पीकर एनपी प्रजापति और केपी सिंह जैसे दिग्गज नेताओं के नाम शामिल थे, लेकिन इनमें से किसी के नाम पर सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद पार्टी आलाकमान ने कमलनाथ को ही नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वहन करने के संकेत दे दिए थे। अब प्रदेश कांग्रेस की द्वारा विधानसभा सचिवालय को इस संबंध में पत्र भेज दिया है, जिसमें कमलनाथ को नेता प्रतिपक्ष का दायित्व देने की जानकारी दी गई है। जिसकी पुष्टि प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने की है।

कांग्रेस का अगला अध्यक्ष गांधी-नेहरू परिवार का न हो, राहुल से प्रियंका सहमत

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गांधी-नेहरू परिवार से बाहर के शख्स को कांग्रेस पार्टी की कमान सौंपने की वकालत की है। उन्होंने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की राय का समर्थन किया है। राहुल ने कहा था कि गांधी परिवार के बाहर के व्यक्ति को पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। प्रियंका ने कहा कि शायद राहुल ने इस्तीफा वाले पत्र में नहीं, लेकिन कहीं और कहा था कि गांधी-नेहरू परिवार से कोई पार्टी का अध्यक्ष नहीं होना चाहिए। मैं उनकी बात से पूरी तरह सहमत हूं। यह दावा 13 अगस्त को प्रकाशित %इंडिया टुमॉरो% किताब में किया गया है। प्रदीप चिब्बर और हर्ष शाह इस किताब के लेखक हैं। किताब के अनुसार प्रियंका ने पार्टी के अध्यक्ष पद के मुद्दे पर आगे कहा कि अध्यक्ष भले ही गांधी परिवार से न हो, लेकिन वह उनका बॉस होगा और वह उनकी हर बात मानेंगी। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी अध्यक्ष मुझे कहते हैं कि तुम्हारी जरूरत उत्तर प्रदेश में नहीं, बल्कि अंडमान और निकोबार में है, तो मैं खुशी-खुशी चली जाऊंगी। बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन इतना खराब रहा कि राहुल खुद अमेठी से चुनाव हार गए थे। इस्तीफे के बाद राहुल ने पार्टी की एक बैठक में कहा था कि अगला अध्यक्ष कोई गांधी-नेहरू परिवार से बाहर का शख्स होना चाहिए। हालांकि, पिछले साल अगस्त में सोनिया गांधी को पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया था और पिछले एक साल में पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी को फिर से अध्यक्ष बनाने की कई बार मांग की है।

कोरोना के 65,920 नए मामले

पीड़ितों की संख्या बढ़कर 28,32,546 हुई

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण से मुक्त होने वालों की संख्या को 20,93,244 हो गई है। बुधवार को कोरोना संक्रमण के 65,920 नए मामले सामने आए और पीड़ितों की संख्या बढ़कर 28,32,546 हो गई। एक बार फिर बड़ी संख्या में 963 लोगों की मौत कोरोना से हुई। इस प्रकार मृतकों की संख्या 53,978 हो चुकी है। संक्रमण के मामले में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा और बिहार जैसे राज्यों ने अन्य राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। इन राज्यों में बुधवार को 48,920 कोरोनावायरस संक्रमित मरीज मिले, जो कि बुधवार को मिले

65,920 नए संक्रमित मरीजों का 73.29त्न है। इसमें दिल्ली, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान, पंजाब जैसे राज्यों की संख्या जोड़ी जाए, जहां 1000 से 2000 के बीच नए संक्रमित मिल रहे हैं, तो यह संख्या 55,620 हो जाती है जो कि बुधवार को मिले मरीजों की 84.37त्न है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि इन राज्यों के अलावा देश के बाकी हिस्से में कोरोना अनियंत्रित नहीं है। हालात यहां पर भी उतने बेकार नहीं हैं क्योंकि मरीजों की रिकवरी पहले की अपेक्षा तेज हो चुकी है। किंतु विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोरोना पर प्रभावी तरीके से रोक तभी संभव होगी जब इसका वैक्सीन बाजार में आएगा और सभी को आसानी से उपलब्ध होगा। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि कोरोनावायरस अपनी प्रकृति में बदलाव ला रहा है। मलेशिया में इस वायरस के कुछ ऐसे रूप देखने को सामने आए हैं जो वर्तमान में भारत में प्रचलित वायरस के मुकाबले 10 गुना ज्यादा खतरनाक और तीव्र संक्रामक हैं। यदि ऐसा होता है तो वैक्सीन की प्रभावशीलता पर भी असर पड़ सकता है।

दिल्ली में अनलॉक 3 के तहत होटलें खोलने को मंजूरी दी गई

दिल्ली में अनलॉक 3 के तहत होटलें खुलेंगी, जिम बंद रहेंगे, साप्ताहिक बाजारों को मंजूरी मिली है लेकिन इन्हें फिलहाल ट्रायल बेसिस पर खोला जाएगा। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की बैठक में यह फैसला हुआ है। दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को डीडीएमए की मंजूरी मिल गई है। दिल्ली में अब सारे होटल खुले सकेंगे। इस फैसले के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के हालात अब काफी बेहतर हैं। अब दिल्ली की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना है। इसके लिए हम पहले से ही दिल्ली में सारे होटल खोलने के पक्ष में थे, जिसे केंद्र सरकार ने खारिज कर दिया था।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

गोहद में गद्दा बनाने वाली फैक्ट्री सुप्रीम फैक्ट्री में हुआ था हादसा

पीड़ित परिवार से कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने की मुलाकात

ग्वालियर। गोहद के मालनपुर में मंगलवार देर रात गद्दा बनाने वाली फैक्ट्री सुप्रीम फैक्ट्री में हादसा हो गया जहां मशीन संचालन के दौरान एक मजदूर का हाथ मशीन में फंसने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई जिसके बाद आज सुबह बिना परिवार की जानकारी ही गोहद में मजदूर का पोस्टमार्टम भी कर दिया जिसके बाद परिजनों समेत भीड़ ने जमकर हंगामा किया वही जानकारी लगने पर कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी गोहद चौराहा थाना पहुंचे जहां परिजनों को समझाए श्री साथियों ने आर्थिक मदद का भी आश्वासन दिलाया है घटना मालनपुर की सुप्रीम फैक्ट्री की बताई जा रही है जानकारी के मुताबिक मंगलवार देर रात करीब 12ः00 से 1ः00 के बीच फैक्ट्री में काम चल रहा था इसी

दौरान एक मशीन पर काम कर रहे मजदूर महावीर पुत्र फेरन सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी चार शहर का नाका इंदिरा नगर ग्वालियर का हाथ मशीन में फस गया और गिरने के साथ ही उसकी मौके पर ही मौत हो गई इस बार फैक्ट्री प्रबंधन ने इसकी सूचना मजदूर के परिजनों को दी और डेड बॉडी को गोहद अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन अल सुबह ही एक रिश्तेदार को बताकर कंपनी प्रबंधन द्वारा अस्पताल में मजदूर का पोस्टमार्टम करवा दिया गया जिसके बाद मृतक के परिवार को जानकारी लगते ही वह आक्रोशित हो गए और हंगामा किया और थाने का घेराव करने पहुंचे जब इस बात की सूचना मध्यप्रदेश शासन में कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को लगी तो वह भी ग्वालियर से पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और फैक्टरी प्रबंधन से बात कर मदद का आश्वासन दिलाया साथ ही भिंड कलेक्टर से भी पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक मदद का आश्वासन दिलाया है जिसके बाद जाकर कहीं मामला शांत हुआ फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से मृतक के परिवार को 3 लाख 50 हज़ार रुपये की आर्थिक मदद के साथ ही परिवार के एक सदस्य को नौकरी और मृतक के माता-पिता को पेंशन का आश्वासन दिया गया साथ ही प्रद्युम्न सिंह तोमर की ओर से ?50000 की मदद और भिंड जिला प्रशासन की ओर से ?100000 की सहायता राशि कभी मुख्यमंत्री राहत कोष से दिलाने का ऐलान किया है जिसके बाद जाकर कहीं हंगामा शांत हुआ मृतक ग्वालियर के चार शहर के नाका इलाके का रहने वाला है जो कि प्रद्युम्न सिंह तोमर के विधानसभा क्षेत्र से है और इसी वजह से मंत्री तुरंत पीड़ित परिवार की मदद के लिए पहुंचे थे उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में शिवराज सरकार और महाराज दोनों पीड़ित परिवार के साथ हैं।

तेज बारिश और हवा से खेत में गिरी बाजरे की फसल

रिपोर्टर खेरागढ़:-राजकुमार राजपूत

जगनेर थाना क्षेत्र के गांव नौनी में हुई झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो महसूस हुई, लेकिन तैयार खड़ी बाजरे की फसल में भारी नुकसान हुआ है। तेज बारिश और हवा के कारण फसल गिर गई हैं, इससे किसानों को कम पैदावार की चिंता सता रही है। बारिश के साथ चली हवा से सबसे ज्यादा नुकसान बाजरे की फसल को हुआ है। इस समय बाजरा की फसल लगभग तैयार खड़ी है, जो थोड़ी हवा से ही खेतों में बिछ गई है किसानो ने बताया कि अब तक सूखे ने किसानों की कमर तोड़ रखी थी अब बारिश ने तैयार फसल बर्बाद कर दी है ।

जम्मू पुंछ सांसद ने किया सुंदरबनी क्षेत्र का दौरा।

सुंदरबनी। जिला राजौरी के उपजिला सुंदरबनी के ठंडापानी गांव में भाजपा के जम्मू पुंछ सांसद जुगल किशोर शर्मा प्रभारी श्याम लाल शर्मा एवं पूर्व मंत्री अब्दुल गनी कोहली ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसमें लगभग सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस बैठक का आयोजन सभी मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं से परिचय एवं उनकी समस्याओं को लेकर के कि गई। जिसमें श्याम लाल शर्मा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को जमीनी स्तर पर भाजपा को मजबूत के लिए कार्य करना चाहिए क्योंकि 70 साल से जो कार्य जम्मू कश्मीर में सत्ताधारी पार्टियां थी वह नहीं कर पाई जोकि मोदी सरकार ने 5 सालों में करके दिखाया हैं। जम्मू कश्मीर का विकास और सुनिश्चित होगा। जिसमें हर पिछड़े वर्ग और समाज के विकास के उत्थान के लिए भाजपा के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर कार्य करेंगे द्य केंद्र सरकार की नई योजना से जम्मू कश्मीर के लोगों को फायदा होगा। सांसद जुगल किशोर शर्मा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर को 370 और 35ड्ड हटा करके बहुत बड़ा तोहफा दिया गया जिससे कि दशकों पुराने जम्मू कश्मीर के लोगों के विकास के सपने साकार होंगे। क्योंकि भेदभाव और अत्याचार का शिकार हुआ जम्मू अपने विकास की राह पर दौड़ेगा। जैसे कि जम्मू कश्मीर में नए फ्लाईओवर का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में नई सड़कों का निर्माण व अन्य नई केंद्र की योजनाओं से जनता को जमीनी स्तर पर लाभ मिलेगा। और भाजपा के राज में कोई भी व्यक्ति अपने लाभ से वंचित नहीं रहेगा। इसी संदर्भ में जब पत्रकारों द्वारा सांसद जुगल किशोर से शहीदों को लेकर के सवाल पूछे गए तो वह भी संतोषजनक जवाब देने में असमर्थ रहे।

अम्बाह थाने में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

आगामी त्यौहारो को घरों में रहकर ही मनाये...एसडीओपी अबनीश बंसल

केशब पडित जी अम्बाह...

थाना परिसर अम्बाह में आगामी त्यौहार जैसे डोल ग्यारस, गणेश चतुर्थी,नवदुर्गा महोत्सव,मोहर्रम आदि को मद्देनजर रखते हुए शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमे एसडीएम बिनोद सिह तहसीलदार सर्बेश यादव एसडीओपी अबनीश बंसल एई प्रदीप धुर्बे जेई बीरेन्द्र यादव व सहायक भूपेन्द्र शुक्ला उपस्थित थे जिसमे एसडीओपी अबनीश बंसल ने कहा कि कोरोना महामारी का प्रकोप लगातार बढ़ता ही जा रहा है इसलिए

आप सभी लोग याद रखे कि इन सारे त्यौहारो में ज्यादा लोगो को एकत्रित न करे यदि किसी व्यक्ति को त्यौहार मनाना है तो अपने घरो पर रहकर परिवार वालो के साथ पूजा पाठ इत्यादि कर शांतिपूर्वक त्यौहारो को मनाये इसी बीच समाज सेबी गणो ने कहा कि नगर मे दुकान दारो ने अपनी दुकानो के सामने पैसे लेके हाथ ठेला व अड्डी लगाकर रास्ते मे अबरूध पैदा करते है उनको हटाया जाबे लगे और नगरपालिका के सामने सब्जी की दुकाने बिना अधिकृति के लगाई जा रही है जिससे आबारा पशुओ का जमाबाडा लगा रहने से अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है बैठक के दौरान गजेन्द्र तोमर दाऊदयाल शर्मा रामबिलास कुशबाह अरूण तोमर मीनूखॉन गुड्डू खॉन व नगर के गणमान्य नागरिक व सभी पत्रकार बंधु मौजूद रहे

हत्या का प्रयास करने वाले आरोपियों की अग्रिम जमानत खारिज

गोहद। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी/ सहायक मीडिया सेल प्रभारी प्रवीण सिंह सिकरवार द्वारा बताया गया कि अभियोजन के अनुसार दिनांक 22.05.2020 को फरियादी कालूराम कुशवाहा ने रिपोर्ट की ग्राम ऐचाय में सुबह करीब 6ः30 बजे से ही गांव में रहने वाले वीरेंद्र राणा एवं नरेंद्र राणा आपस में बंटवारे को लेकर झगड़ा विवाद कर रहे थे मैं यह सब देख रहा था वीरेंद्र सिंह राणा का मुझसे पहले से विवाद था मुझे वहाँ देखकर बीरेंद्र ने कहा की आपस का झगड़ा छोड़ो इस मादरचोद कालू को आज सबक सिखाते हैं इसके बाद नरेंद्र सिंह वीरेंद्र का लड़का राहुल, वीरेंद्र एवं नरेंद्र का लड़का अन्ना उर्फ अंकित ने मिलकर मुझे पकड़ लिया एवं लात घूसो से मारपीट करने लगे। वीरेंद्र घर के अंदर से कट्टा लेकर आया और बोला आज तुझे जान से मार दूंगा। मैं इन लोगों से छूट कर भागने लगा तो वीरेंद्र ने जान से मारने की नीयत से कट्टे से गोली चला दी। गोली मेरी कमर में बाएं तरफ नीचे की और लगी तथा आर पार हो गई गोली लगने के बाद में जमीन पर गिर गया मेरे जख्म से खून निकल रहा था गोली मारने के बाद चारों लोग वहाँ से भाग गए गांव के लोग मुझे उठाकर अस्पताल लेकर आए रिपोर्ट करता हूं तब पुलिस थाना गोहद के द्वारा अभियुक्तगण के विरुद्ध धारा 307, 323, 34 भादवी के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। दिनांक 19.08.2020 को अभियुक्त/आवेदक नरेंद्र सिंह पुत्र रामकिशन सिंह राणा द्वारा मान0 न्यायालय के समक्ष अग्रिम जमानत के लिये आवेदन प्रस्तुत किया था। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा द्वारा इस अग्रिम जमानत आवेदन का मान0 न्यायालय के समक्ष घोर विरोध किया और अपराध की गम्भीरता को देखते हुये मान0 न्यायालय से अग्रिम जमानत आवेदन निरस्त करने का निवेदन किया। मान0 न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात् अभियोजन के तर्क से सहमत होते हुये अभियुक्त का अग्रिम जमानती आवेदन खारिज कर दिया

भाजपा के उपाध्यक्ष पहुंचे शहीदी स्मारक पर

सुंदरबनी। जिला राजौरी के उपजिला सुंदरबनी में भाजपा के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्याम लाल शर्मा जी शहीदी स्मारक सुंदरबनी पर पहुंचे द्य तिरंगे की शान को बनाए रखने के लिए 1953 में 3 लोग शहीद हुए थे द्य श्याम लाल शर्मा शहीदों के परिजनों के साथ मिले और उनके साथ शहीदों के स्मारक की मरम्मत के लिए बात की शहीदों के परिजनों ने कहा कि जहां भाजपा के बड़े-बड़े नेता शहीदी स्थल पर आए पर यह शहीदी स्मारक आज भी उसी तरह पड़ा हुआ हैद्य शहीदी स्मारक के बारे में पत्रकारो को संबोधित करते हुए श्याम लाल शर्मा ने कहा की कि शहीदी स्मारक बारे में अभी कुछ नहीं कहूंगा और मैं दोबारा सुंदरबनी आकर सभी से बैठ कर बात करके उसके बाद शहीदी स्मारक का हल निकाल लूंगा द्य श्याम लाल शर्मा ने कहा मुझे शहीद स्थल पर पहुंचकर अफसोस हुआ है लेकिन मैं जल्दी ही म्युनिसिपल कमेटी और काउंसिल, बुद्धिजीवी के साथ बैठकर जल्द से जल्द कुछ हल निकाल लूंगा द्य उन्होंने कहा कि मुझे सुंदरबनी का प्रभारी नियुक्त किया गया है और मेरा फर्ज बनता है कि मैं जल्द ही इसका हाल निकालू द्य इस मौके पर जिला प्रधान कैप्टन बालकृष्ण, मण्डल प्रदान राकेश शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट म्युनिसिपालिटी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

शांति समिति की बैठक का हुआ आयोजन त्योहारों के चलते प्रशासन ने ली शांति समिति की बैठक

मोहन मांझी

गोहद - बुधवार देर शाम थाना परिसर में त्योहारों के चलते शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें एसडीओपी परमाल सिंह मेहरा एसडीएम शुभम शर्मा तहसीलदार श्री शिल्पा सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे और सभी त्योहारों की रूपरेखा तैयार कर त्योहार मनाने की अपील की गणेश जी मोहर्रम राधा अष्टमी एवं पर्यूषण पर्व आदि त्योहारों के चलते गोहद प्रशासन द्वारा शांति समिति की बैठक ली गई जिसमें हिंदू मुस्लिम वर्ग के गणमान्य नागरिकों को बुलाकर उनसे विचार विमर्श किए साथ ही शासन के आदेशानुसार ताजिया एवं गणेश प्रतिमाएं 1 फुट से ज्यादा की ना रहे साथ ही किसी भी प्रकार का कोई जुलूस नहीं निकाला जाएगा और ना ही भीड़ एकत्रित की जाएगी जिसके लिए समाज के लोगों ने भी अपने अपने सुझाव दिए साथ ही कहा कि जो ताजिए पूर्व से ही बड़ी इमारत के रूप में बन गए हैं उन्हें दफनाने का भी कोई नियम बताना चाहिए जिससे वह दफनाया जा सके साथ ही नगर पालिका द्वारा भेजे जा रहे वाहनों में ताजिया दफनाने से इनकार किया बता दें कि मोहर्रम और गणेश स्थापना आदि त्योहारों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने शांति समिति की बैठक ली जिसमें निर्णय लिया गया है कि कोई भी ताजिया या मूर्ति 1 फीट से ज्यादा न बनाएं इस मौके पर शुभम शर्मा एसडीएम परमाल सिंह मेहरा एसडीओपी विजय के बोल गोरी प्रभारी सीएमओ सो सॉरी शिल्पा सिंह नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह धाकड़ थाना प्रभारी नागेश शर्मा उप निरीक्षक नसीर अहमद हसमत अली हसरत खान समीर खान शाहरुख खान शाहरुख खान अबरार खान डॉ अमर सिंह इंदल उच्चाडिया पिंकी उच्चाणिया सहित नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे

ऑनलाइन सम्मान समारोह में 27 रचनाकारों को काव्य साधक सम्मान से किया सम्मानित

भवानीमंडी(अर्पित गुप्ता)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद भवानीमंडी के तत्वाधान में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित चतुर्थ ऑनलाइन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में श्रेष्ठ काव्यपाठ करने वाले 27 रचनाकारों को सोमवार को आयोजित ऑनलाइन सम्मान समारोह में काव्य साधक सम्मान से सम्मानित किया गया। ऑनलाइन सम्मान समारोह के संयोजक डॉ. राजेश कुमार शर्मा÷पुरोहित% ने बताया कि परिषद द्वारा सोमवार को सम्मान समारोह आयोजित कर 27 रचनाकारों को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि वीर रस के कवि राजेन्द्र आचार्य राजन ,विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार गर्ग ,युवा कवि तथा कृपाशंकर सिंह ,वरिष्ठ कवि रहे। समारोह में नम्रता जैन कृपाशंकर सिंगज डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित,राजकुमार टेलर, राकेश थावरिया श्रीकांत ओझा राजेश चौरसिया महावीर जैन अरुण गर्ग आशारानी जैन शिवशंकर सोनी भेरूलाल नागर प्रतिमा पुलक नारायण तिवारी रामनारायण नागर प्रखर कविराज नवाब नागौरी राजेन्द्र आचार्य दिनेश भदौरिया शेष रामप्रीत आनंद गीता दूबे कमलेश राठौर सुनील राठौर विनोद चन्द्र शर्मा वेणू दर्शन सिंह बालकवयित्री शुभांगी शर्मा शोभाराम नागर को सम्मानित किया गया।

झारखंड की तर्ज पर हिमाचल में भी तिरंगे मास्क हो बैन - रीना राणा

अभिषेक मिश्रा राज्य ब्यूरो प्रमुख हिमाचल प्रदेश

भारतीय नमो संघ ने हिमाचल में तिरंगे मास्क को बैन करने की मांग की है ! इस बारे में भारतीय नमो संघ की प्रदेश संगठन मंत्री रीना राणा ने तिरंगे मास्क को बैन करने की मांग करते हुए कहा कि हम भारतीय भारत को अपनी माँ का दर्जा देते है और तिरंगा हम भारतीय की शान है ! तिरंगे की शान के लिए हर रोज हमारे सैनिक देश की सीमाओ की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर रहे है ! वहीँ दूसरी तरफ कोरोना काल में कुछ लोग तिरंगे मास्क पहन कर घूम रहे है ! जिससे सभी भारतीयों के सम्मान को ठेस पहुँच रही है ! मास्क लगा कर लोग छींकते और खांसते है जिसकी वजह से थूक इत्यादि मास्क में लगता है और यदि मास्क तिरंगा हो तो एक तरह से देश की सरहदों की रक्षा करने वाले जवानो व देश का अपमान हो रहा है जिसे भारतीय नमो संघ किसी

भी सूरत में बर्दास्त नही करेगा ! रीना राणा ने बताया कि माननीय न्यायलय झारखंड ने इस संधर्भ में आदेश जारी करते हुए तिरंगे से बने मास्क को बैन किया है ! और यह आदेश जारी किया है कि यदि कोई झारखंड राज्य में तिरंगे मास्क को पहनता है या बेचता है तो इसे तिरंगे का अपमान माना जाएगा और उस व्यक्ति के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाएगा ! रीना राणा ने कहा कि झारखंड राज्य की तर्ज पर पुरे देश में यह कानून जारी होना चाहिए ताकि तिरंगे का अपमान न हो ! उन्होंने भारतीय नमो संघ की तरफ से प्रदेश सरकार से मांग की है कि वह झारखंड राज्य की तर्ज पर हिमाचल प्रदेश में भी इस तरह के आदेश जारी करे ! ताकि यहाँ पर तिरंगे का अपमान न हो सके ! हिमाचल प्रदेश में भी इसके खिलाफ सख्त कानून बनाए जाये और जो भी व्यक्ति तिरंगे मास्क को बेचता है या पहनता है उसके खिलाफ ?फ़आईआर दर्ज क्र उसके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए ! उन्होंने बताया कि भारतीय नमो संघ भी इस पर नजर रखेगा अगर ऐसा कोई व्यक्ति उन्हें मिलता है तो वह अपनी तरफ से इसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाएंगे !

शोभा चौहान जिला महामंत्री मण्डल अध्यक्ष का चाड़वास मण्डल का हुआ दौरा

प्रेस-नारायणलाल सैणचा

पाली ः-भाजपा चाड़वास मण्डल में कल विधायक महोदय शोभा जी चौहान,जिला महामंत्री मोहन जी जाट मण्डल अध्यक्ष जगदीश सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में विभिन गावो में पौधारोपण ,कोरोनो वारियर्स सम्मान व जनसम्पर्क किया गया। इस दौरान बिलावास गांव में पोधरॉपन किया जहा विधायक महोदय ने सरपंच डिंपल सीरवी सहित केसाराम पुकजी काग की खूब तारीफ की जिन्होंने एक बंजर भूमि की हारा भरा बनाने का बीड़ा उठाया। गागुद्दा , हिंगावास में जनसंपर्क व कोरोना योधायो का सम्मान किया गया इस दौरान मण्डल के उपाध्यक्ष चोथाराम सीरवी के नेतृत्व में हुआ सम्मान समारोह। मैडम ने क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया जहा बच्चो को खेल की भावना से खेल को खेलने की सीख दी। आगे झुपलाव , पांचवा कल्ला, पांचवा खुर्द, शिवनगर में भी जनसंपर्क , योद्धाओं का सम्मान हुआ। सरदार समद मोड़ा वास में भी कई कार्यक्रम हुआ। अंत में संडारडा गांव में महेंद्र सिंह राजपूत की नेतृत्व में मण्डल के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया। विधायक महोदय के साथ जिला महामंत्री मोहन जाट, जगदीश सिंह राजपुरोहित।मण्डल महामंत्री हरीश कुमार सीरवी, भामा शाह कुनारम सीरवी व मण्डल के सभी पधाधिकारी मोजूद रहें।

20 अगस्त से प्रदेश में पूरी क्षमता से चल सकेंगी यात्री बसें

प्रदेश में जल्दी पहचान एवं तुरंत इलाज की रणनीति पर करें प्रभावी अमल, मुख्यमंत्री चौहान ने कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में 20 अगस्त से सभी यात्री बसों को पूरी क्षमता के साथ चलने की अनुमति होगी, परन्तु मास्क लगाना और सभी सावधानियों का पूरा पालन बस संचालकों को सुनिश्चित करना होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में जल्दी पहचान एवं तुरंत इलाज की रणनीति पर प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। सभी कलेक्टर्स अपने जिलों में पर्याप्त टेस्टिंग, इलाज आदि की सर्वोत्तम व्यवस्था करें। प्रभारी अधिकारी प्रभार के जिलों में निरंतर मॉनीटरिंग कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में वी.सी. से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम

चौधरी शामिल हुए। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, डीजीपी श्री विवेक जौहरी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्म्द सुलेमान ने बताया कि इंदौर में कोरोना का सीरो सर्वेलेन्स चल रहा है, जो एक-दो दिन में पूरा हो जाएगा। इस सर्वे से यह पता चल जाएगा कि कितने प्रतिशत जनसंख्या में कोरोना के एंटीबॉडीज डेवलप हो गए हैं। इसके बाद उज्जैन एवं भोपाल में सीरो सर्वेलैन्स कराया जाएगा। जिलेवार समीक्षा में पाया गया कि इंदौर जिले में 179, भोपाल में 114, ग्वालियर में 97, जबलपुर में 91, सागर में 25, खरगौन में 24 कोरोना के नए प्रकरण आए हैं। टीकमगढ़ जिले में गत सात दिनों में पॉजिटिविटी दर 10.19 है। वहीं हरदा की 18 प्रतिशत है। शहडोल में 20 तथा सिवनी में 15 नए प्रकरण आए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि इन जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कुछ जिलों से कोरोना की टैस्टिंग रिपोर्ट लेट आने की सूचना आ रही है। इस संबंध में सभी संभागायुक्त अपने संभाग के ?जिलों में टैस्टिंग की रिपोर्ट 24 घंटे में आ जाए यह सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कुछ जिलों में टेस्टिंग कम है, अत- संबंधित कलेक्टर्स टैस्टिंग बढ़ाएं। जिलों के लिए बनाए गए प्रभारी अधिकारी अपने प्रभार के जिलों में टेस्टिंग बढ़ाया जाना सुनिश्चित करें। अपने जिलों की पूरी चिंता करें, रोज समीक्षा करें, समय-समय पर वहां के दौरे करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश की रिकवरी रेट 75.4 प्रतिशत है। प्रदेश में कोरोना एक्टिव मरीज 10 हजार 717 हैं तथा तुलनात्मक दृष्टि से देश में मध्यप्रदेश का 16वां स्थान है। प्रदेश की टेस्टिंग क्षमता 13 हजार 254 प्रति दस लाख है। उन्होंने प्रदेश की कोरोना टेस्टिंग को बढ़ाने के निर्देश दिए। ग्वालियर जिले की समीक्षा के दौरान पाया गया कि वहां कोरोना मृत्यु दर 0.75 प्रतिशत है जबकि प्रदेश की मृत्यु दर 2.40 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसके लिए सभी संबंधितों की सराहना करते हुए कहा कि इसे शून्य पर लाने के हरसंभव प्रयास किए जाए। उन्होंने अन्य जिलों में भी जल्दी पहचान एवं इलाज की सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था द्वारा मृत्यु दर को न्यूनतम किए जाने के निर्देश दिए।

डेम से वितरित पानी की राशि की वसूली के लिए कार्य योजना बनाए - अपर मुख्य सचिव मिश्रा

विभाग के अधीन जल संरचनाओं की सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट बनाई जाए - मंत्री सिलावट

भोपाल। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने केरवा डेम रेस्ट हाउस में जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये कि प्रदेश में लंबित सिंचाई परियोजनाओं को समय-सीमा में पूरा किया जाए। किसी भी परियोजना में सालों की देरी नहीं होना चाहिए। यह किसानों के हित से जुड़ा हुआ मुद्दा है। परियोजना के पूर्ण होने से किसानों को सिंचाई के लिये समय पर पानी उपलब्ध होगा, जिससे कृषि उत्पादन को दोगुना करने में मदद मिलेगी। जल संसाधन विभाग के तालाब, डेम की सुरक्षा का ऑडिट किया जाए और उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि परियोजनाओं और नहरों के आसपास कोई अतिक्रमण हो तो उसे तुरंत हटाने की कार्यवाही की जाए। विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों को एक माह में निराकृत किया जाए। प्रदेश के पाँच आदिवासी जिलों में प्रधानमंत्री सिंचाई परियोजना के अंतर्गत एक हजार 700 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है, जिसमें केन्द्र का 60 प्रतिशत और राज्य सरकार का 40 का अंश होगा। इस योजना के अंतर्गत 24 हजार आदिवासी किसान लाभान्वित होंगे। विभाग के सभी अधिकारी पारदर्शिता से काम करें। श्री सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की केन-बेतवा संयुक्त परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिये उत्तरप्रदेश के सिंचाई मंत्री के साथ बैठक की जाएगी। इसके लिये विभागीय स्तर पर कार्यवाही करें। आने वाले वर्षों में 51 लाख हेक्टेयर से अधिक सिंचाई क्षमता का लक्ष्य पूरा करना है। इसके लिये लंबित परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। दिसम्बर 2020 तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं को अक्टूबर माह में ही पूर्ण किया जाए, ताकि किसानों को सिंचाई के लिये पानी उपलब्ध कराया जा सकें। इसके साथ ही अगली विभागीय समीक्षा बैठक ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, इंदौर संभाग में आयोजित करने के निर्देश दिये हैं। मंत्री श्री सिलावट ने जल संसाधन विभाग के सभी डैम की ऑडिट रिपोर्ट और सुरक्षा की अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के निर्देश दिए। सभी अधिकारी फील्ड में लगातार भ्रमण करते रहें। प्रत्येक माह की दौरा डायरी और निरीक्षण रिपोर्ट रिकार्ड में रखें, इसकी जांच कभी-भी की जा सकती है। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन. मिश्रा ने कहा कि सभी अधिकारी समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए परियोजनाओं को पूर्ण करे बैठक में जल संसाधन के जबलपुर, इंदौर, भोपाल, रीवा, सिवनी, बैतूल और ग्वालियर संभागों की समीक्षा की गयी। जिसमें बताया गया कि भोपाल और इंदौर संभाग में वर्षा कम होने के कारण बांधों और तालाबों में पानी कम है, जबकि अन्य संभागों की जल संरचनाओं में 80 प्रतिशत तक पानी का भराव हो चुका है। विभाग के डेम और तालाबों में 63 प्रतिशत जल संरचना पानी से भर चुकी है। विगत वर्ष 29 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि पर सिंचाई के लिये पानी उपलब्ध कराया गया था। इस वर्ष 32 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

सभी पॉलीटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई का होगा मूल्यांकन

भोपाल। आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए शिक्षा और कौशल विकास के प्रयासों को अब और व्यवस्थित स्वरूप दिया जा रहा है। इस तारतम्य में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी पॉलीटेक्निक एवं आईटीआई का मूल्यांकन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सभी आईटीआई पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग कॉलेज के भवनों को ग्रीन बिल्डिंग कन्सेप्ट पर तैयार किया जाये। साथ ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा सोलर पैनल के इस्तेमाल पर भी जोर दिया। प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास श्रीमती केरोलिन

खोंगवार देशमुख ने जानकारी दी कि इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्राओं को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय महाविद्यालयों के माध्यम से कार्यक्रम तय किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए वार्षिक ट्रेनिंग कैलेंडर बनाया जा रहा है। आयुक्त तकनीकी शिक्षा श्री पी. नरहरि ने बताया कि पूर्व स्थापित संस्थानों में पाँच इंजीनियरिंग एवं दस पॉलीटेक्निक कॉलेजों में उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना की जायेगी। इसके साथ ही इनोवेशन सेल एवं स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना भी की जायेगी। श्री नरहरि ने बताया कि साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एवं मैथ्स (स्क्ल्रश्वरू) की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के साथ समन्वय कर नीति निर्धारित की जाएगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अग्रणी विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर नॉलेज माड्यूल का निर्धारण किया जायेगा। संचालक कौशल विकास श्री एस. धनराजू ने बताया कि स्कूलों में व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए आईटीआई के साथ समन्वय किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उद्योगों के साथ विचार-विमर्श कर फ्लेक्सिबल एवं माँग आधारित प्रशिक्षण दिया जायेगा। उद्योगों से परामर्श से वर्तमान पाठ्यक्रम का निर्माण किया जायेगा।

लॉकडाउन से प्रभावित लोगों को रोजगार और क्षेत्र में विकास के कार्य किए जा रहे हैं - स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी

भोपाल। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी ने रायसेन स्थित वनमण्डल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अनेक योजनाओं के 455 हितग्राहियों को लाभान्वित किया। जिसमें पीएम आवास योजना, पीएम पथ विक्रेता आत्मनिर्भर स्वनिधि योजना तथा आवासीय पट्टा वितरण के हितग्राहियों को लाभान्वित किया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि सरकार लॉकडाउन से प्रभावित लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ही क्षेत्र में विकास कार्य किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि कोरोना महामारी के कठिन दौर में छोटे-छोटे व्यापारियों, पथ विक्रेताओं को अपना व्यवसाय पुन: प्रारंभ करने के लिए स्ट्रीट वेण्डर योजना के तहत 10-10 हजार रूपए की कार्यशील पूंजी ऋण के रूप में उपलब्ध कराई जा रही है और इसका ब्याज प्रदेश सरकार द्वारा जमा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों के पथ विक्रेताओं के लिए प्रारंभ की

स्वास्थ्य मंत्री ने अनेक योजनाओं के 455 हितग्राहियों को किया लाभान्वित

गई स्ट्रीट वेण्डर योजना का मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विस्तार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस योजना को लागू किया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के स्ट्रीट वेण्डर्स, पथ विक्रेताओं को भी इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अन्य राज्यों से लौट कर आए प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए गांवों में मनरेगा के तहत विकास और निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए, जिससे प्रवासी श्रमिकों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी रोजगार मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना महामारी के नियंत्रण के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान तथा उनके द्वारा प्रतिदिन प्रदेश में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। प्रदेश में कोरोना नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। चिकित्सालयों में वेंटीलेर सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कोरोना संक्रमण से नियंत्रण और बचाव के लिए नागरिकों से मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कोरोना की इस लड़ाई में सभी का सहयोग जरूरी है।

डी.एल.एड. नियमित पाठ्यक्रम सत्र 2020-21 में प्रवेश के लिये प्रक्रिया प्रारंभ

भोपाल। शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों तथा अशासकीय महाविद्यालयों में द्विवर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेन्ट्री एजुकेशन (डी.एल.एड.) नियमित पाठ्यक्रम में सत्र 2020-21 के लिए प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। राष्ट्रीय अध्यापक परिषद् (ह्रष्टञ्जश्व) से मान्यता प्राप्त एवं मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल से सम्बद्धता प्राप्त प्रदेश के शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डाइट) एवं अशासकीय महाविद्यालयों में सत्र 2020-21 हेतु प्रवेश प्रारंभ हैं। डी.एल.एड. नियमित पाठ्यक्रम प्रवेश सत्र 2020-21 से संबंधित आदेश, प्रक्रिया, समय-सारणी एवं विस्तृत निर्देश आदि की जानकारी एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल से ली जा सकती हैं। प्रवेश प्रक्रिया के प्रथम राउंड में ऑनलाइन पंजीयन करने की अंतिम तिथि 23 अगस्त 2020 है। इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश के लिये एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन एवं संस्थान का चयन कर सकते हैं।

एक सितम्बर से हर गरीब को मिलेगा एक रूपये किलो गेहूं, चावल एवं नमक

नवंबर तक 05 किलो प्रति व्यक्ति नि:शुल्क राशन भी मिलेगा, प्रदेश के 37 लाख गरीब होंगे लाभान्वित

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आगामी एक सितम्बर से प्रदेश के ऐसे सभी गरीबों को जिन्हें अभी तक उचित मूल्य राशन नहीं मिल रहा था,अब उन्हे एक रूपये किलो गेहूं, चावल एवं नमक मिलेगा। प्रति व्यक्ति प्रतिमाह 5 किलो उचित मूल्य राशन मिलेगा। इसके अलावा गरीब परिवारों को नवंबर माह तक 5 किलो प्रति व्यक्ति नि-शुल्क राशन भी प्रदाय किया जाएगा। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के 37 लाख गरीब हितग्राही लाभान्वित होंगे।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि वे अपने जिलों में सभी नए हितग्राहियों को 31 अगस्त तक पात्रता पर्चियां जारी किए जाना तथा उनकी आधार सीडिंग किए जाना सुनिश्चित करें, जिससे एक सितम्बर से उन्हें राशन मिल सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय से सार्वजनिक वितरण

प्रणाली के नए हितग्राहियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा कर रहे थे। बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव श्री फैज अहमद किदवई उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर जिले के नवीन हितग्राहियों से चर्चा के दौरान बताया कि इंदौर में सर्वाधिक 2.5 लाख नए हितग्राहियों के नाम जोड़े जाने हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि 31 अगस्त तक यह कार्य पूरा हो जाए। हितग्राही सीताबाई एवं रईसा बी ने पात्रता पर्ची बनने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि नए हितग्राहियों की पात्रता पर्ची शासन के एम-राशन एप तथा पोर्टल से डाउनलोड की जा सकती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक नवीन हितग्राही को एक सितम्बर से पहले उनके घर पर पात्रता पर्ची अनिवार्य रूप से वितरित करवाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की %वन नेशन-वन राशन कार्ड% योजना के अंतर्गत अब हितग्राही किसी भी राशन दुकान से राशन प्राप्त कर सकता है। राशन प्राप्त करने के लिए हर हितग्राही की आधार सीडिंग आवश्यक है। प्रत्येक हितग्राही अपनी पास की दुकान पर अपना आधार कार्ड दिखवाकर उसकी प्रविष्टि करवा दें। शाजापुर की संपतबाई एवं फरीदा बी ने बताया ?कि वे गरीब हैं, परन्तु उन्हें सस्ता राशन नहीं मिल रहा था। वे बहुत परेशान थीं। केवल कोरोना के समय उनको राशन मिला। अब हर माह सस्ता राशन मिलेगा, ये बहुत खुशी की बात है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने योजना के नए हितग्राहियों उज्जैन के संजय प्रजापति एवं मनीष जोशी, देवास के शिवलाल मकवाना एवं कृष्णा बाई, आगर मालवा के भैरू लाल चौहान, नीमच की राजकुंवर बाई, मंदसौर की प्रिया जैन व संपत बाई, रतलाम के वंदना एवं महेश, इंदौर की सीताबाई, रईसा बी, धार की अमृत बाई, सगुन बाई, झाबुआ की सुशीला बारिया, बड़वानी की संध्या सिसोदिया एवं अशोक मुकाती, अलीराजपुर की दुर्गा बाई, खरगौन के सुखदेव कुशवाह आदि से वी.सी. के माध्यम से बातचीत की। सभी ने पात्रता पर्चियां मिल जाने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

संपादकीए

पीएम केयर्स फंड पर विवाद

भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पहली बार लॉकडाउन शुरू होने के कुछ ही दिन बाद 27 मार्च को नरेंद्र मोदी ने पीएम केयर्स फंड का गठन किया। एक दिन के बाद पीएम मोदी ने सभी भारतीयों से इसमें दान देने की अपील की। मोदी ने ट्वीट पर कहा, मेरी सभी भारतीयों से अपील है कि वो पीएम केयर्स फंड में योगदान दें। उन्होंने यह भी कहा कि उनके डोनेशन से कोरोना के खिलाफ भारत की लड़ाई और मजबूत होगी और स्वस्थ्य भारत बनाने की दिशा में ये एक लंबा रास्ता तय करेगा। पीएम मोदी की अपील के बाद कई क्षेत्रों से डोनेशन आने शुरू हो गए। उद्योगपति, सेलिब्रिटीज, कंपनियां और आम आदमी ने भी इसमें अपना योगदान किया। एक सप्ताह के अंदर इस फंड में 65 अरब रुपए एकत्र हो गए। लेकिन पीएम केयर्स फंड शुरू से ही विवादों में भी रहा है। कई लोगों ने इस पर सवाल उठाया कि जब 1948 से ही पीएम नेशनल रिलीफ फंड (पीएमएनआरएफ) मौजूद है, तो नए फंड की क्या आवश्यकता थी। अब पीएम केयस फंड को लेकर उठ रहे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि इसका पैसा प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष या एनडीआरएफ में जमा करने की जरूरत नहीं है। दरअसल विवाद उस समय उठा जब जानकारी मिली कि इस फंड की जांच सीएजी नहीं कर सकता है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक अखबार की क्लिपिंग को शेयर करते हुए तंज कसते हुए कहा बेईमान का अधिकार। दरअसल अखबार की क्लिपिंग में दावा किया गया है कि पीएम केयर्स फंड के बारे में दी गई आरटीआई पर जानकारी देने से इंकार कर दिया गया है। वहीं पीएम केयर्स फंड को लेकर उठे विवादों के बीच आधिकारिक वेबसाइट पर कुछ सवालों के जवाब दिए हैं जिसमें बताया गया है कि इसमें एकत्र हुए पैसे कितने हैं और इसका कहां-कहां इस्तेमाल किया गया है। साल 2019-20 के दौरान इस 3076.62 करोड़ रुपया एकत्र हुआ। विदेशी करेंसी के जरिए 39.68 लाख रुपया आया। 2000 करोड़ रुपए से भारत में बने 50 हजार वेटिंलेटर देश के सरकारी अस्पतालों में बांटे गए। एक हजार करोड़ रुपए प्रवासी मजदूरों पर खर्च किए गए और 100 करोड़ रुपए वैक्सीन बनाने के लिए दिए गए।सवाल यह नहीं है कि कांग्रेस इस मुद्दे को उठाकर सरकार को घेर नहीं पाई, सवाल यह है कि उसे इससे मिला क्या। अभी तक लोगों को यह नहीं पता था कि पीएम रिलीफ फंड की कमेटी में कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष भी एक सदस्य होता है। संविधान लागू होने से पहले ही 1948 में नेहरू जी ने मूल रूप से इस फंड की व्यवस्था पाकिस्तान से आने वाले हिंदू शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए की थी। आज की तरह उस वक्त भी टाटा परिवार ने देश की मदद में उदारता दिखाई थी इसलिए बतौर सदस्य टाटा घराने के सदस्य को भी इस कमेटी में रखा गया था। हालांकि पीएम रिलीफ फंड के दुरुपयोग का कोई प्रश्न कभी नहीं उठा है और इसके जरिए प्राकृतिक आपदा और बीमारी के वक्त नागरिकों को वाकई मदद उपलब्ध कराई गई है। अब नए पीएम केयर फंड की बात करें तो यह स्पष्ट किया जा चुका है कि प्रधानमंत्री पदेन इस ट्रस्ट के अध्यक्ष होंगे उनके साथ रक्षा, गृह और वित्त मंत्री भी पदेन सदस्य होंगे। इनके अलावा समाजसेवा, वित्त, आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों के भी स्वतंत्र लोग इसके सदस्य नामित किए जाएंगे। कोई भी राजनीतिक व्यक्ति इस ट्रस्ट में नहीं होगा जैसा पीएम रिलीफ फंड में कांग्रेस अध्यक्ष को रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट में यह चुनौती दी गई थी कि केंद्र ने बगैर संसद की अनुमति के यह फंड शुरू कर दिया लेकिन मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने नाराजगी के साथ याचिकाकर्ता को फटकार लगाई कि यह कोई ऐसा फैसला नहीं है जिसकी अनुमति ली जाए। अब मोदी समर्थक यह प्रचार कर रहे हैं कि सोनिया गांधी की भूमिका खत्म होने से कांग्रेस पीएम केयर फंड को निशाने पर ले रही थी। जिस तरह अनावश्यक विवाद इस मुद्दे पर खड़ा किया गया उससे कांग्रेस और वामपंथी रक्षात्मक मुद्रा में हैं। बेहतर होता इस निर्णय का स्वागत किया जाता और भ्रष्टाचार पर मोदी को घेरने के स्थान पर विपक्षी नेता बीजेपी अध्यक्ष की तर्ज पर अपने सभी कार्यकर्ताओं से भी न्यूनतम 100 रुपए दान की अपील करते। इस मामले में मायावती ने जो लकीर खींची है वह उनकी परिपक्वता को साबित करती है। मायावती ने सरकार के हर निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने अपने सांसदों और विधायकों से भी 30 फीसदी कम वेतन लेने को और अन्य सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

खामोश हो गई मुशायरों में गूंजने वाली दमदार आवाज

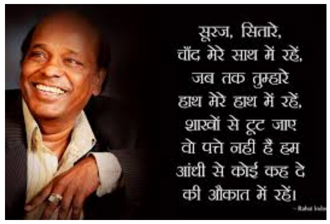

कोरोना संक्रमित होने के अगले ही दिन देश के प्रख्यात शायर राहत इन्दौरी 70 साल की आयु में दुनिया छोड़कर चले गए और मुशायरों में गूंजने वाली दमदार आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई। तबीयत बिगड़ने पर वे 10 अगस्त को इन्दौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती हुए थे, जहां कोविड टेस्ट में पॉजिटिव आने के बाद उन्हें इन्दौर के कोविड अस्पताल अरबिंदो हॉस्पीटल में शिफ्ट किया गया था। 11 अगस्त की सुबह उन्होंने स्वयं ट्वीट कर बताया था कि कोविड के शुरूआती लक्षण दिखने पर कल उनका कोरोना टेस्ट किया गया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। दुआ कीजिये कि जल्द से जल्द इस बीमारी को हरा दूं। साथ ही उन्होंने ट्वीट के जरिये अपने फैंस से यह गुहार भी लगाई थी कि उन्हें या घर के लोगों को फोन ना करें, उनकी खैरियत ट्विटर और फेसबुक पर आपको मिलती रहेगी। कौन जानता था कि यही राहत इन्दौरी साहब का आखिरी ट्वीट होगा। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें 60 फीसदी निमोनिया था और पहले से ही किडनी, हाइपरटेंशन, डायबिटीज, दिल तथा फेफड़ों में संक्रमण सहित कई बीमारियां थी। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद उन्हें दो बार दिल का दौरा पड़ा और 11 अगस्त की शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। इन्दौर में एक कपड़ा मिल कर्मचारी रफ्तुल्लाह कुरैशी तथा मकबूल उन निशा बेगम के यहां 1 जनवरी 1950 को जन्मे राहत इन्दौरी हिन्दी फिल्मों के गीतकार के अलावा ऐसे भारतीय उर्दू शायर थे, जो बड़े बेबाक और बेखौफ अंदाज में अपनी बात कहने के लिए जाने जाते थे। शायरी के जरिये सत्ता पक्ष के लोगों पर तीखा प्रहार करने के कारण ही वे सदा सत्ता पक्ष के लोगों की आंखों में खटकते रहे। उन्होंने वर्ष 1975 में भोपाल के बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से उर्दू साहित्य में एमए और 1985 में भोज मुक्त विश्वविद्यालय से उर्दू साहित्य में पीएचडी की थी। वे देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर में उर्दू साहित्य के प्राध्यापक भी रहे। 19 साल की उम्र में उन्होंने कॉलेज के दिनों में अपनी पहली शायरी सुनाई थी। कॉलेज में अध्यापन के दौरान एक अच्छे व्याख्याता के रूप में छात्रों की लगातार प्रशंसा पाने के बाद वे मुशायरों में काफी व्यस्त रहने लगे। अपने उन मुशायरों से वे जनता के बीच इतने लोकप्रिय होते गए कि उन्हें देश-विदेश से मुशायरों के निमंत्रण मिलने लगे। चार दशक से भी ज्यादा समय से वे मुशायरों और कवि सम्मेलनों में अपनी शायरी पढ़ रहे थे। उन्होंने बॉलीवुड की फिल्मों के लिए भी कुछ गीत लिखे, जिनमें फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' का 'एम बोले तो मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'घातक' का 'कोई जाए तो ले आए', 'इश्क' का 'नींद चुराई मेरी, तुमने वो सनम', 'खुद्दार' का 'तुमसा कोई प्यारा कोई मासूम नहीं है', 'करीब' का 'चोरी चोरी जब नजरें मिली', 'मर्डर' का 'दिल को हजार बार रोका', 'सर' का 'आज हमने दिल का हर किस्सा', 'मिशन कश्मीर' का 'बुमरो-बुमरो, श्याम रंग बुमरो' जैसे गीत काफी लोकप्रिय हुए लेकिन उनकी पहचान कभी भी निदा फाजली या कैफी आजमी जैसे फिल्मी गीतकार जैसी नहीं रही बल्कि उनका नाम सुनते ही हर किसी के जेहन में एक मशहूर शायर का ही ख्याल आता था। उन्हें महफिल के हिसाब से शायरी पढ़ने में महारत हासिल थी। रोमांटिक शायरी को लेकर एक टीवी शो के दौरान उन्होंने कहा था कि आदमी दिमाग से बूढ़ा होता है, दिल से नहीं। वैसे तो उर्दू की समकालीन दुनिया में मशहूर शायरों की कोई कमी नहीं है लेकिन राहत इन्दौरी की खासियत यह थी कि वे एक गंभीर शायर होने के साथ-साथ युवा पीढ़ी की नब्ज को भी थाम लेते थे और बड़ी सहजता से शायरी के माध्यम से ऐसी तीखी बात कह जाते थे, जो राजनीति के साथ-साथ समाज को भी चीरती प्रतीत होती थी। उनके शेरों के जरिए अपने हकों को आवाज देने का जो शोर सुनाई देता था, वो उनके समकालीन किसी शायर की आवाज में शायद ही सुनने को मिला हो। अपने शेरों के माध्यम से वे राजतंत्र की खामियों को उजागर करते हुए देश-समाज की व्यवस्थाओं पर चोट करते थे। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए शायरी की और सदैव आम आदमी की आवाज बने। मुशायरों में जब वे शायरी कर रहे होते थे तो ऐसा प्रतीत होता था, जैसे वे महफिल में मौजूद हर व्यक्ति से सीधे बात कर रहे हैं। सीएए को लेकर देशभर में चले प्रदर्शनों के दौर में उन्होंने काफी तीखे अंदाज में कहा था, ''लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है। जो आज साहिबे मसनद हैं, कल नहीं होंगे। किरायेदार हैं, जाती मकान थोड़ी है, सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में, किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है।'' ऐसी ही तीखी और बेबाक शायरी के कारण राहत इन्दौरी कुछ लोगों की आंखों में लगातार खटकते रहे और उन्हें लेकर बेवजह विवाद खड़ा करने की कोशिशें भी हुई। कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर उन्हीं के नाम से एक फर्जी शेर भी खूब वायरल किया गया और जब विवाद बढ़ने लगा, तब उन्हें स्वयं सफाई देनी पड़ी थी कि वह उनका शेर नहीं है।

कविता–

आसूँ पी जाती वह हर बार
आँसू पी जाती वह हर बार

लिए हाथ में थैला एक
चलती वह पथ को नई दिशा में देख
दो मूठ अन्न की आश लगाये
दर-दर अपना झोला फैलाये
होती है जो चौखट पर शर्मसार
आँसू पी जाती वह हर बार।

दो मूठ अन्न उसके सफ़र
पाने में छूटे पसीना मौसम समर का
दर-दर भटकती है वह
अभिशाप जीवन उसका या वरदान पाठक कह
मुझे नहीं लगता उसका जीवन है उपहार
आँसू पी जाती वह हर बार।

चारों ओर हरियाली है
तो सूखी क्यों आज यह डाली है
नींद भी इसके पास आने से कतराती
करवटें बदलते-बदलते ही सुबह हो जाती होगी
दुःख का झोला लिए फिर होने चलती शर्मसार
आँसू पी जाती वह हर बार।

भूल गया है इंसान इंसानियत का छाया
मैं आ गया है सब में पाकर मिट्टी का काया
हमें यह सोचना चाहिए कि हम-सब मनुज हैं
कुछ के बड़े तो कुछ के हम अनुज हैं
हरा-भरा रहे जीवन सबका स्वस्थ रहे संसार
आँसू पी जाती वह हर बार।

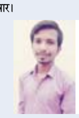

महेन्द्र कुमार मध्देशिया
सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश
(स्वरचित एंव अप्रकाशित कविता)

कविता....किताब

मैं किताब हूँ,
मुझे पढ़ो बच्चों!

कविता और अनमोल,
कहानियों से भरा हूँ!
फिर भी तुम्हारे घरों में,
एक किनारे पड़ा हूँ!

उठाकर मुझे सम्मुख,
अपने रखो बच्चों!
मैं किताब हूँ,
मुझे पढ़ो बच्चों!

दुनिया के सारे ज्ञान,
मुझी में समाए हैं!
कुछ मुझे दुश्मन तो,
कुछ अपना मित्र बनाए हैं!

दुश्मन ही समझ कर,
मुझे आगे बढ़ो बच्चों!
मैं किताब हूँ,
मुझे पढ़ो बच्चों!

निराशा में आशावादी,
का संचार करती हैं किताबें!
यही उद्देश्य हैं मेरा की,
हर सोया इंसान जागे!

सुनो निराशावाद नहीं,
आशावाद बनो बच्चों!
मैं किताब हूँ,
मुझे पढ़ो बच्चों!

किताबें अकेलेपन का,
एहसास नहीं होने देती!
पढ़कर हम ही भेंच देते हैं,
वो पड़ने का टैक्स नहीं लेती!

भेंचो नहीं धरोहर हूँ,
संभाल कर धरो बच्चों!
मैं किताब हूँ,
मुझे पढ़ो बच्चों!

पुस्तक से ना जाने क्यों?
बच्चे नफरत करते हैं!
मैं कोई भूत थोड़े हूँ,
जो आप छूने से डरते हैं!

मुझसे नफरत नहीं,
प्यार करो बच्चों!
मैं किताब हूँ,
मुझे पढ़ो बच्चों!

मनुष्य को महान बनाने में,
किताबों का बड़ा योगदान होता हैं
पुस्तके वह चीज हैं जिसे पढ़कर,
सही गलत का ज्ञान होता हैं!

ग्रहण करके सभ्यता,
असंगत से लड़ो बच्चों!
मैं किताब हूँ,
मुझे पढ़ो बच्चों!।

सुधांसु पांडे, निराला
भारत,उत्तर प्रदेश,प्रयागराज.

सर्पदंश :हर दस मिनिट में असमय मरता एक गरीब भारतीय

डॉ अजय खेमरिया

कोरोना महामारी के शोर में इस साल जून से अब तक करीब बीस हजार भारतीय अपने खेतों में सर्पदंश से मौत का शिकार हो चुके हैं। देश भर में करीब तीन लाख लोग हर साल सांप के काटने का शिकार होते है ।हर दस मिनिट में एक व्यक्ति की मौत इसके चलते हो रही है।स्वास्थ्य पर तमाम बड़े वादों और मिशन मोड़ वाले कार्यक्रमों के इतर सर्पदंश का यह जानलेवा सिलसिला पिछ्ले 20 बर्षो से बदस्तूर जारी है।पूरी दुनियां में हर साल करीब सवा लाख लोग सांप के जहरीले दंश से मारे जाते है जिनमे से लगभग आधे भारतीय होते है।हाल ही में ÷टोरंटो विश्वविद्यालय ÷के सेंटर फॉर ग्लोबल रिसर्च ने यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से इस मामले पर एक शोध के नतीजे सार्वजनिक किए है।इसमें कहा गया है कि बर्ष2000 से 2019 के मध्य भारत मे करीब 12 लाख लोग सर्पदंश से मौत के मुंह मे समाये जा चुके है।चौकाने वाला तथ्य यह है कि इनमें से 25 फीसदी 15 से 29 साल के लोग है।यानी भारत मे बच्चे सर्वाधिक शिकार हो रहे है।÷ट्रेंड इन स्नेकबाइट डेथ इन ए नेशनली÷ रिप्रजेंटेटिव मोरेटेलिटी स्टडी÷नामक शीर्षक से जारी इस शोध दस्तावेज में विस्तार से भारत के इस स्याह पक्ष को रेखांकित किया गया है।खासबात यह है कि इस त्रासदी को फीसदी भोगने वाला 97 फीसदी तबका गांव का गरीब आदमी है। ऐसी मौतें खेत मे काम करते वक्त या उन गरीबों के साथ होती है जिनके पास पक्के घर और सोने के लिए ऊँचे पलँग नही है। जो मजदूरी के लिए जूते,रात्रि टार्च,दस्ताने जैसें साधनों से वंचित रहते है।जाहिर है सर्पदंश का केंद्र गांव,गरीब,किसान और मजदूर ही है।शहरी इलाकों में केवल 3 फीसदी सर्पदंश की मौत का खुलासा करने वाली इस शोध रपट के अनुसार करीब 58 हजार भारतीय प्रति वर्ष इसलिये मारे जाते है क्योंकि उनके रहवास के आसपास एंटी वेनम डोज या तो उपलब्ध नही होते है और अगर है भी तो वहां ट्रेंड स्टाफ नही होता है।सांप के काटने के बाद अगले एक से दो घण्टे निर्णायक होते है लेकिन जागरूकता के आभाव में ग्रामीण पहले तो झाड़ फूंक के चक्कर मे पड़ते है और जब अस्पताल की बारी आती है तब वहां एंटी वेनम की उपलब्धता ही नही रहती।इस शोध के मुताबिक आधी से ज्यादा मौतें जून से सितंबर के महीनों में होती है जब मानसून के साथ देश भर में धान,सोयाबीन,मूंगफली जैसी फसलों की पैदावार में किसान खेतों में लगे रहते है।देश में एक चौथाई घटनाओं के केंद्र महाराष्ट्, गोवा,और गुजरात है। लेकिन सर्पदंश से 70 फीसदी मौतें आठ राज्य बिहार,यूपी,मप्र,राजस्थान,आंध्रप्रदेश(तेलंगाना सहित)झारखण्ड,ओडिसा,और गुजरात में होती हैं।इनमें से भी हर बर्ष यूपी में 8700,बिहार में 4500 एवं आंध्र तेलंगाना मिलाकर 5200 लोगों की मौत सांप के जहर और एंटी वेनम नही मिलने के चलते हो रहीं है।समझा जा सकता है कि अन्य सभी मानकों में पिछड़े यूपी बिहार जैसे बड़े राज्य इस मामले में भी गरीबों के लिए कुछ नही कर पा रहे हैं।सवाल यह है कि क्या सर्पदंश से मौत के मुंह मे जाने वाले लोग देश के मजदूर,किसान है इसलिए इस मामले पर कोई बुनियादी पहल आज तक नही हुई?हकीकत भी कुछ ऐसी ही बिहार,मप्र या यूपी के किसी भी दूरदराज के प्राथमिक/उप स्वास्थ्य केंद्र में चले जाइये आपको एंटी वेनम की उपलब्धता खोजने से नही मिलेगी। इसका रखरखाव फ्रिज में करना होता और देश के अधिकांश पीएचसी पर यह सुविधा आज भी उपलब्ध नही है मजबूरन लोग ऐसे मामलों में जिला अस्पताल या निजी नर्सिंग होम्स में जाते है।वहां तक आने में लगने वाला समय ही सर्पदंश के मामले में निर्णायक होता है।सरकार के स्तर पर पहली बार 2009 में ÷ नेशनल स्नेकबाइट मैनेजमेंट प्रोटोकॉल÷तैयार किया गया था लेकिन इस पर अमल के मामले में फिलवक्त कोई ठोस काम नही हुआ है।आज एंटी वेनम की बाजार में कीमत साढ़े पांच सौ रुपए है और इसका मानक डोज देने वाले ट्रेंड लोगों की देश भर में कोई ट्रेनिंग नही होती है इसीलिए कई लोग तो ओवर डोज के चलते भी मर जाते है या स्थाई विकलांगता का शिकार हो जाते है।ग्वालियर की प्रतिष्ठित डॉक्टर नीलिमा सिंह का मानना है कि अधिकांश मौतों को रोका जा सकता है बशर्ते समय पर निर्धारित एंटी वेनम डोज उपलब्ध हो।वह जोड़ती है कि भारत में प्रशिक्षित डॉक्टरों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ की भारी कमी है क्योंकि ऐसी कोई प्रमाणिक व्यवस्था है ही नही।चूंकि इस डोज को बनाने में दवा कम्पनियो को बड़ा फायदा नही होता है इसलिये चुनींदा कम्पनियों में ही इसका निर्माण होता है।भारत मे डोज बनाने वाली ÷प्रीमियम सीरम्स एन्ड वैक्सीन्स÷के मालिक एमबी खंडेलकर मानते है कि मुनाफे में न्यूनता बड़ी कम्पनियों की दिलचस्पी न होने का अहम कारण है हालांकि वह इसकी तकनीकी दिक्कतों को भी एक वजह मानते है।एंटी वेनम भेड़ों और घोड़े से बनाई जाती है जो एक लंबी और खर्चीली प्रक्रिया है ।साथ ही इसकी खपत डाक्टरों और दवा कम्पनियों के मध्य बदनाम पारम्परिक संव्यवहार का हिस्सा भी नही है।इसका संधारण कठिन होने से भी यह निजी दवा कम्पनियों के लिए प्राथमिकता में नही रहती है।डॉ नीलिमा सिंह का दावा है कि पिछ्ले 12 साल से पौधों के एंटी ऑक्सीडेंट लेकर गोली के रूप में एंटी वेनम ईजाद करने पर काम चल रहा है जो कि अंतिम चरण में है।गोली के रूप में इसके आने के बाद डोज को लेकर आने वाली तकनीकी समस्या का समाधान होने की बात कही जा रही है।यह संधारण की दिक्कतों से भी निजात दिलाने वाला नवोन्मेष होगा।इस मामले में विश्व स्वास्थ्य संगठन भी गंभीरता से काम कर रहा है उसका लक्ष्य 2030 तक सर्पदंश से होने वाली मौतों के आंकड़े को आधा करने का है।

मैं घुँघरू हूँ...!

मै घुँघरू हूँ सजता हूँ,
नर्तक पैरों पर जंचता हूँ।
हृदय तार तार हो जाता,
जब घुँघरू छम छम बजता हूँ।
नृत्य आकर्षण लगता है,
जब घुँघरू पैजनिया सजता हूँ।
सौ बार टूटता मृदंग ताल में,
संघर्षो से टूटता जूझता हूँ।
बच्चे की घिसलते पैरों में,
सम्मोहन जादू भरता हूँ।
कभी महफ़िल की शोभा में,
घुँघरू हूँ दर्द चुभन सहता हूँ।
पादताल को लयआश्रित,
कत्थक की शोभा बनता हूँ।
कानों में भनक सा लगता,
ताल घुँघरू की छनकता हूँ।
मैं घुँघरू हूँ बिन मेरे,
हर ताल पे अधूरे लगता हूँ।
कमी पूरी मुझसे ही होती,
मधुर संगम मन में बहता हूँ।
डोरी की कसमो से बंधा,
जिंदगी की तान जब कसता हूँ।
बंधता जब अटूट बन्धन में,
नाता सब भूल जाता हूँ।
साँस डोरी की टूट जाये कही,
जिन्दगी में बिखर जाता हूँ।
देह मन से मैत्री जो घुँघरू,
डोरी से गहरा नाता है।
बंधे तो माया जकड़े हुए,
नही रिश्ते टूट भी जाता है।
नियति को जो भा जाय,
तो पैरों की क्या शिकवा है।
ठुमक ठुमक कर लगाओ ठुमके,
हर सुर में ताल सा भरता हूँ।
सौ बार टूटता हूँ जग में,
संघर्षो से जूझता रहता हूँ।
घुँघरू हूँ जो घूमर घूमर के,
छन-छन छम-छम बजता हूँ।
सौंदर्य मुख चहुँ दिशा,
घुँघरू हूँ सीमांत रहता हूँ।
कभी महफ़िल की शोभा में,
घुँघरू हूँ दर्द समझता हूँ।
तबले की तर्जनी में रागी,
मृदंग ताल पे ताल सुरीला हूँ।
नर्तक भैरवी कहरवा,
सुशोभित मृदु राग निराला हूँ।
मैं घुँघरू हूँ सजता हूँ,
नर्तक पैरों पर जचता हूँ।

दिब्यानन्द पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा छत्तीसगढ़

समय भी अब सांस ले

रुके-रुके, थमे-थमे,
ये रास्ते अब सांस लें,
थी दौड़ती, ये ज़िन्दगी,
ये ज़िन्दगी भी सांस ले,
जो था चल पड़ा, न रुक सका,
वो शख्स भी अब सांस ले,
जो न रुक सका,
न थम सका,
वो पड़ा है साँसे थाम कर,
कदम को कुछ यूं रोक कर,
सांसों का दामन थाम कर,
समय भी अब बस सांस ले...!

रागिनी गुप्ता
भोपाल मप्र

पता न था

कुछ अरमान लेकर घर से निकल पड़े,
पर कैसी है जिन्दगी कुछ यह पता न था।
सफ़र मे मिले वो और दिल मे बस गये,
वही हो जायेंगे जुदा मुझसे यह पता न था।
उन्होनें न ली खबर कि कैसा हूँ आजकल,
वो हो जायेंगे इतने बेखबर यह पता न था।
उनकी याद मे ही खोये रहते है हम हर पल,
वो इस कदर भूल जायेंगे मुझको यह पता न था।
दुआ है कि उनको मिले सारे जहां की खुशियाँ,
पर उन बिन हम रोयेंगे इतना यह पता न था।।%

अभिषेक शुक्ला
सीतापुर

चंबल कमिश्नर मिश्रा ने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विभाग के अधिकारियों को दिये निर्देश

किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति के लिये उन्हें आधुनिक उन्नत फसलों को अपनाने के लिये नवाचार करें

मुरैना। किसानों की आर्थिक सामाजिक उन्नति के लिये उन्हें आधुनिक उन्नत फसलों को अपनाने के लिये नवाचारों को करने की आवश्यकता है। उद्यानिकी के क्षेत्र में उन्नत फसलों को लेने की अपार संभावनायें है। किसानों को कृषि के अतिरिक्त उन्नत पशुपालन, कुक्कुट पालन, मत्स्य पालन के लिये प्रेरित किया जाये। उद्यानिकी और कृषि के क्षेत्र में उन्नत फसलों के लिये रकवा बढ़ाने के प्रयास किये जाये। यह निर्देश चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रबीन्द्र कुमार मिश्रा ने कृषि उत्पादन आयुक्त से जुड़े कृषि, उद्यानिकी डेयरी, पशुपालन, मत्स्य और सहकारिता विभागों के अधिकारियों को दिये। कमिश्नर श्री मिश्रा ने कहा कि इन विभागों से जुड़े सभी अधिकारी किसानों को पर्याप्त मार्केटिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। प्रत्येक विभाग जिला स्तर पर ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म को उपलब्ध करायें, ताकि किसान अपने प्रोडेक्ट का विक्रय ऑनलाइन कर सकें। कृषकों को ऑनलाइन के जरिये विभागों की जानकारियों, तकनीकी की सलाह तथा फसलों को बचाने के उपाये भी दिये जा सके। उन्होंने इन पांचों विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे अपने कार्यो के अतिरिक्त कुछ ऐसे नवाचार तैयार करें, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि हमें किसानों के खेतों को फायदा का धंधा बनाना है। जिससे वे अपनी आमदनी को दोगुना बढ़ा सकें। इसके लिये किसाना को तकनीकी उन्नत खेती के लिये नये नवाचार करना होंगे। किसानों को उनकी चौपाल पर कृषि संबंधी तकनीकी ज्ञान दें, इसके लिये संगोष्ठियां

की जायें। उन्होंने उद्यानिक की फसलों को रकवा 10 प्रतिशत बढ़ाने के साथ ही 10 प्रतिशत उद्यानिकी उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। कमिश्नर ने श्योपुर जिले की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुये कहा कि वहां के अधिकारी अन्य स्थान पर पोस्टिंग करने के लिये वरिष्ठ कार्यालयों को पत्र लिखने के निर्देश दिये। चंबल कमिश्नर श्री मिश्रा माह के तृतीय बुधवार को अपने सभाकक्ष में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, बीज सहकारिता और खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में अपर आयुक्त श्री अशोक कुमार चौहान, संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेन्द्र सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुये चंबल कमिश्नर श्री मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक योजनाओं में शत्प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित हो। कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में और अधिक रकवा बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पेप्टीसाइड़ (कीटनाशक दवाईयों) के लगातार सैम्पल लेते रहे।

वाहनों के लौड़ को ध्यान में रखकर सड़कों के निर्माण का प्लान तैयार करें

चंबल संभाग के शहरी क्षेत्रों में चल रहे सीवेज और वाटर लाइन डालने का काम शीघ्र पूर्ण किये जायें। यह सभी काम ऐस्टेंशन टाइम में चल रहे है। अब तक इन कामों को पूर्ण हो जाना चाहिये था। इन कामों को शीघ्र पूर्ण कर खोदी गई सड़कों, गलियों के खरंजों को पुराने सेप में लाया जाये। बरसात के मौसम में लोंगो को आने-जाने में बहुत असुविधा हो रही है। जहां टेस्टिंग के काम होना है, उस स्थान को प्रथक से रखकर शेष स्थानों पर स्थल के समतलीकरण का कार्य किया जाये। यह निर्देश चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रबीन्द्र कुमार मिश्रा ने निर्माण विभाग एवं निर्माण एजेन्सियों के अधिकारियों को दिये। वे बुधवार को अपने सभाकक्ष में लोक निर्माण, सिंचाई, मध्यप्रदेश रोड़ डेव्हलपमेन्ट कारर्पोशन, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, पी.आई.यू., जल संसाधन, ऊर्जा, नगरीय विकास एवं आवास एवं मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के कार्यो की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में अपर आयुक्त श्री अशोक कुमार चौहान, संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेन्द्र सिंह, सहायक विकास आयुक्त श्री अरविन्द शर्मा सहित निर्माण विभागों के अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कमिश्नर श्री मिश्रा ने नगरीय विकास एवं आवास कार्यो की समीक्षा करते हुये कहा कि बनाई जा रही टाउनशिप के सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण किये जाये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी पथ विक्रेता योजना में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि चंबल संभाग के तीनों जिलों के 15 हजार 539 पथ विक्रेताओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। इसमें सर्वाधिक 10 हजार 969 पथ विक्रेता मुरैना जिले के है। भिण्ड के 1 हजार 875 और श्योपुर जिले के 2 हजार 695 पथ विक्रेता है, जिन्हें इसी वर्ष लाभान्वित करना है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि लक्ष्य की तुलना में अभी तक 5 हजार 89 पथ विक्रेताओं के प्रकरण ही बैंको को भेजे है। कमिश्नर ने कहा कि 1 सितम्बर 2020 तक इस योजना में मुझे बेहतर प्रगति चाहिये, इसके लिये परियोजना अधिकारी अभी से इस योजना के लक्ष्यों की पूर्ति में जुट जायें। इसी तरह शतप्रतिशत प्रवासी श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराया जाये। सीवेज वाटर सप्लाई और आवासों के निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो, ताकि लोग इन योजना से लाभान्वित हो सकें।

रूक जाना नहीं बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

मुरैना जिले में 11 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षायें हो रहीं संचालित

मुरैना। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड भोपाल द्वारा संचालित रूक जाना नहीं ओपन बोर्ड परंपरागत एवं अन्य परीक्षायें संचालित है। जिसमें मुरैना जिले में 11 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है, इन परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा दो पालियों में संचालित हो रहीं है। जिसमें प्रातः 8 से 11 बजे तक हाईस्कूल एवं द्वितीय पाली कक्षा 12वीं की परीक्षायें संचालित की जा रहीं है। परीक्षाओं में किसी भी प्रकार का अनुचित साधन का प्रयोग न हो, इसके लिये कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षायें शान्ति पूर्ण संपन्न होती हुई पाई गई। किन्तु जिले में 11 परीक्षा केन्द्रों पर 2 हजार 70 छात्र में से 1 हजार 813 छात्र उपस्थित हुये, 257 छात्र अनुपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने सर्वप्रथम शासकीय मॉडल स्कूल माध्यमिक विद्यालय गणेशपुरा मुरैना में प्रातः पाली में निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय 271 छात्रों में से मात्र 238 छात्र उपस्थित थे, जबकि 33 छात्र अनुपस्थित थे। कलेक्टर द्वारा शा.उ.मा.विद्यालय क्रमांक-2 मुरैना में निरीक्षण किया। इस दौरान 197 छात्रों में से 184 छात्र उपस्थित हुये, जबकि 13 छात्र अनुपस्थित पाये गये। विद्यालय में ऊपर से टीन शेड टूटा दिखने पर कलेक्टर ने उसका रिपयेरिंग स्कूल फण्ड से करने के निर्देश दिये। इसके बावजूद भी उन्होंने कहा कि बजट में यदि कम राशि हुई तो शेष राशि कलेक्टर मत से प्रदान कर दूंगी। आने वाले समय में इस भवन में मतदान भी कराने होंगे। कलेक्टर ने विहारी कॉन्वेन्ट स्कूल का निरीक्षण किया। जिसमें 206 छात्रों में से 180 छात्र उपस्थित थे, जबकि 26 छात्र अनुपस्थित पाये गये। इसके बाद कलेक्टर ने ऋषि गालव उ.मा.वि. का निरीक्षण किया। जिसमें 201 छात्रों में से 188 उपस्थित तथा 13 छात्र अनुपस्थित पाये गये। कलेक्टर ने केन्द्रोध्यक्षों को निर्देश दिये कि परीक्षायें शान्तिपूर्ण संपन्न हो।

राशन मित्र पोर्टल पर पात्र चार हजार परिवारों का 25 अगस्त तक आधार फीडिंग करें, समय पर कार्य पूरा नहीं तो होगी कार्रवाही

नगर निगम की योजना शाखा टाउन हॉल में बुधवार को कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राशन मित्र पोर्टल की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कम प्रोग्रेस होने पर सम्बंधित कम्प्यूटर ऑपरेटर को डाट लगाते हुये नाराजगी जाहिर की। नगर निगम सीमा के 4154 परिवारों के लगभग 18972 सदस्यों राशन मित्र पोर्टर पर आधार फिडिंग की जाना है, जिससे परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को समय पर राशन मिल सके। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने निर्देश दिये कि आधार फीडिंग का कार्य 25 अगस्त तक पूर्ण कर लें, अन्यथा संबंधित कर्मचारी पर कार्रवाई की जाएगी। राशन मित्र पोर्टल पर जिन गरीब परिवारों को राशन दुकानों से राशन दिया जाता है, उनके प्रत्येक सदस्यों को राशन पोर्टल पर उनके आधार कार्ड को फिट किया जाना है। उन्होंने कहा कि परिवार के प्रत्येक सदस्य को राशन मिल सके, अगर कोई भी सदस्य पोर्टल पर आधार फीडिंग कराने से वंचित रह जाता है, तो ऐसी स्थिति में उसे राशन देने में बहुत ज्यादा दिक्कत आएगी। इसलिए उक्त कार्य प्राथमिकता के साथ करें और पात्र परिवारों को राशन मित्र पोर्टल पर जोड़कर उनके आधार कार्ड को फिट करें जिससे कि उन्हें और परिवार को राशन आसानी से उपलब्ध कराया जा सके।

जिला सीईओ की अध्यक्षता में बैंकर्स समन्वय हेतु मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबन्धकों के साथ आजीविका मिशन की बैठक हुई संपन्न

मुरैना। आजीविका मिशन व स्ट्रीट वेंडर के बिन्दुओ पर सूक्ष्मता से कार्य कर अपेक्षीय प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तरूण भटनागर (आई.ए.एस.) ने बुधवार को नवीन जिला पंचायत भवन में बैंकर्स को दिये। बैठक में सीनियर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री दिप कुमार पांडेय, डिस्ट्रिक कोर्डिनेटर श्री विमल जैन, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आरएम, बेरियर चौराहा ब्रांच बीएम विश्वकर्मा,

पोरसा रोड़ श्री बीएम कौरव सहित जिला परियोजना प्रबन्धक श्री दिनेश सिंह तोमर, जिला प्रबन्धक श्री धर्मेंद्र करोरिया, विकासखण्ड प्रबन्धक श्री सुरजीत सिंह चौहान, द्वारिका प्रसाद धकड़, अमित राजपुत, राघवेंद्र सिंह चंदेल, जगदीश किरार, तपन मिश्र उपस्थित थे। बैठक में मप्र डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला मुरेना के द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों के विभिन प्रकार के बिंदुओं पर समन्वय कर निवारण किया गया। जिसमें स्वयं सहायता समूहों के खाते खुलवाना, समूहो के ऑनलाइन ऋ्रा प्रकरणों का जमा, अनुमति, वितरण, स्ट्रीट वेंडर के वितरण आदि बिंदुओं के अंतर्गत कुल 430 समूहों के खाते खुलवाऐं जाएंगे तथा कुल 137 प्रकरण वितरण होंगे।

1 साल से फरार स्थाई वारंटी को पोरसा पुलिस ने पकड़ा

जिला ब्यूरो चीफ रामकुमार गुप्ता

पोरसा। आर्म्स एक्ट के तहत 1बरस से फरार चल रहे अपराधी उपेंद्र सिंह तोमर को पोरसा पुलिस ने पकड़ने में सफलता अर्जित की पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया,, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह,, एसडीओपी अवनीश बंसल, के निर्देशन में कार्य कर रही पुलिस पोरसा ने प्रकरण क्रमांक 193 /13 में धारा 25 बी के तहत बरस 2019 से फरार चल रहे दुर्ग का पुरा पोरसा निवासी उपेंद्र सिंह पुत्र हीरा सिंह उम्र 26 वर्ष को आज पकड़ने में सफलता हासिल की टी आई अतुल सिंह,,एस आई धर्मेंद्र मालवीय,एस आई नीलम सिंह यादव, गजेंद्र सिंह लोधी, रविंद्र बरैया, संदीप सिंह आदि की टीम ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर अपराधी उपेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया

यहां की जनता का जो सहयोग मुझे मिला वह मुझे जीवन भर याद रहेगा एसडीएम विनोद सिंह

पोरसा। यहां की जनता बेहद ही अच्छी है जो कुछ कहना होता है वह सामने कहती है कोरोना काल में जो समाज सेवा जनता की सेवा की मिसाल पेश की है वह मुझे हमेंशा याद रहेगी यहां के लोग रेहम दिल लोग हैं जो अन्य जगहों पर नहीं मिलते एस डी एम विनोद सिंह आज गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारी प्रतिज्ञा समाज सेवा कल्याण समिति के द्वारा ग्राम शंकरपुर में एसडीएम विनोद सिंह जी की विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बतौर अतिथि एसडीएम विनोद सिंह ,,एस डी औ पी अविनाश बंसल, तहसीलदार सर्वेश यादव एवं राजकुमार नागोरिया,नायब तहसीलदार ओपी श्रीवास्तव,की आई अतुल सिंह, सी ई ओ रामपाल करजरे, भाजपा नगर

मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता एस आई धर्मेंद्र मालवीय ,एसआई पवन सिंह भदोरिया ,आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन अनिल उपाध्याय ने किया इस मौके पर वृक्षारोपण किया गया हरियाली लाने के लिए एवं अतिथियों ने अपने अपने विचार प्रकट किए सभी ने कोरोना से बचने के लिए शासन की गाइड लाइन के बारे में उपस्थित जनों को समझाया समझाया बाद में इसके बाद उपस्थित अतिथियों को शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर लालजी सिंह तोमर, कमल सिंह तोमर, बासुदेब सिंह तोमर, सुनील शर्मा, भोले गुप्ता ,मनोज लहरिया ,रामलीला ओझा, धर्मेंद्र सिंह, नीरज पचौरी, राधा कृष्ण गुप्ता ,राम कुमार गुप्ता ,संदीप उपाध्याय, नीलेश शर्मा, सुनील सखबार जगदीशगढ, आदि लोग उपस्थित थे

जिले में अब तक 418.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना। जिले में 1 जून से अभी तक 418.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 45.3 मिलीमीटर वर्षा कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 464.1 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। जिले की वार्षिक औसत वर्षा 706.9 मिलीमीटर है। जिले में सर्वाधिक 554 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। जबकि सबलगढ़ में 479, जौरा में 427 मिलीमीटर, पोरसा 422, अंबाह में 351, कैलारस में सबसे कम 280 और मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। 19 अगस्त को सुबह 8 बजे तक सर्वाधिक 12 मिलीमीटर वर्षा कैलारस में, जौरा में 11, मुरैना में 6 और सबसे कम 3 मिलीमीटर वर्षा जौरा में दर्ज की गई।

'सद्भावना दिवस' आज ' दिलाई जायेगी शपथ'

मुरैना। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि 20 अगस्त 2020 को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाएगा। शासकीय कार्यालयों में 20 अगस्त 2020 को प्रातः 11 बजे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना की प्रतिज्ञा दिलाई जायेगी। इस दौरान नोबेल कोरोना वायरस, कोविड-19 संक्रमण के संबंध में भारत सरकार और राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

चंबल कमिश्नर ने अधिकारी द्वय को कारण बताओ नोटिस जारी किया

मुरैना। शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने वाले दो अधिकारियों को चंबल कमिश्नर श्री रबीन्द्र कुमार मिश्रा ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस का जबाव 15 दिवस के अन्दर संतोषजनक प्राप्त न होने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम के तहत दो वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किये है। प्राप्त नोटिस में बताया है कि सहायक विकास विस्तार अधिकारी कैलारस दामोदर गुप्ता द्वारा ग्राम पंचायत किरावली जदीद में प्रधानमंत्री आवास की सूची में नाम बढ़वाने के लिये 5 हजार रूपये प्रति हितग्राही से मांग की गई थी। इसके साथ ही प्रभारी सहायक यंत्री कैलारस एनके गुप्ता द्वारा स्वीकृत तालाबों, चेकडेम मिट्टीक्रत रोड़ का निर्माण मजदूरों की अपेक्षा ट्रेक्टर एवं जेसीबी से कराया गया। यह सब शासकीय नियमों के विरूद्ध है।

बाल संप्रेक्षण गृह, आश्रयगृह में किया गया निरीक्षण, वर्चुअल ई-कैम्प

मुरैना। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार जैन के मार्गदर्शन मे अपर जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री व्ही.के. गुप्ता द्वारा बुधवार को जिला मुख्यालय मुरैना पर स्थित शासकीय बाल संप्रेक्षणगृह मुरैना एवं आश्रयगृह मुरैना का ऑनलाईन वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से निरीक्षण एवं ई-विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। अपर जिला जज श्री व्हीके गुप्ता, अपर जिला न्यायाधीश मो. अनीस खान द्वारा नालसा द्वारा संचालित योजना बच्चों के मैत्रीपूर्ण व्यवहार के संबंध में जानकारी दी तथा संप्रेक्षणगृह के अधीक्षक एवं आश्रयगृह के संचालक तथा उपस्थित बच्चों को कोविड-19 कोरोना वायरस के फैलते संक्रमण से बचाव के संबंध में बताया कि अपने हाथों को अच्छी तरह से साबुन से धोऐं एवं अपने चेहरे को हाथों से छूने से बचे तथा कम से कम 2 मीटर की दूरी बनाकर रखे, जिससे कोरोना वायरस संक्रमण फैलने का खतरा कम रहें साथ ही परिसर को समय-समय पर सेनेटाइजेशन कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं समय-समय पर स्टाफकी भी थर्मल स्क्रीनिंग कराने हेतु निर्देशित किया गया।

दो मृतकों के परिजनों को 15-15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मुरैना। नायब तहसीलदार पोरसा के प्रतिवेदन के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुविभाग अम्बाह को 10 जुलाई 2020 को प्रतिवेदित किया गया कि 31 दिसम्बर 2019 को तहसील पोरसा के ग्राम बरबाई निवासी संदीप और जीतू उर्फ जितेन्द्र पुत्र प्रेमसिंह की मृत्यु लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी-06-जीए 2026 ने लापरवाही से टक्कर मार दी, जिससे दोंनो की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। दोनों मृतकों के वारिसन पिता श्री प्रेम सिंह खिलमनियां को 15-15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

शांति समिति की बैठक संपन्न

पोरसा। रेस्ट हाउस पोरसा पर शांति समिति की बैठक हुई जिसमें तहसीलदार राजकुमार नागोरीया, टी आई अतुल सिंह ,तहसीलदार ओपी श्रीवास्तव ,एस आई धर्मेंद्र मालवीय, शिशू पाल सिंह स्वच्छता निरीक्षक ने बैठक ली ,, बैठक में कमल सिंह तोमर,संदीप उपाध्याय, रामकुमार गुप्ता बीजेपी नगर मंडल अध्यक्ष,नीरज पचोरी,बटेरी खां,हमीद खां गौरी,धीरज

पचौरी,संदीप सिंह परमार, उपदेश सिंह तोमर,खलीफा आबेद खां,खलीफा संदीप खां, राहुल सिंह तोमर,महावीर जैन अध्यक्ष व्यापार संघ पोरसा, समसाद खां,आदि लोग उपस्थित थे इस मौके पर आने वाले त्योहार को सादगी एवं शांति से घर पर रहकर मनाने के लिए अपील की गई कोई शोर शराबा नहीं होगा गणेश उत्सव के पंडाल नहीं सजेगी आने बारे त्यौहार, मोहर्रम,ढोल ग्यारस,श्री गणेश उत्सव, शांतिपूर्ण तरीके से घर पर रहकर के मनाए एवं शासन द्वारा जारी दिशानिर्देश का सभी धर्म के लोग पालन करें।

केन्द्रीय मंत्री की सहमति पर मोहर सिंह धाकड़ को कलेक्टर द्वारा 5 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान

मुरैना। सबलगढ़ के ग्राम रामपुरकलां निवासी श्री मोहर सिंह धाकड़ पुत्र श्रीचन्द्र धाकड़ ने केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर को आवेदन प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने मेडीकल सहायता राशि प्रदान करने की मांग की। श्री धाकड़ ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि मेरी किडनी में इन्फेक्शन है। मेरे पिता की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। मैं समय से अपनी दवाईयां खरीदने में असमर्थ हूं। इस पर केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर की पहल पर कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने श्री मोहर सिंह धाकड़ को दवाईयां क्रय करने के लिये 5 हजार रूपये की सहायता राशि का चैक प्रदान किया।

कोरोना योद्धाओं के सम्मान के लिये कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित

मुरैना। कोविड महामारी में कई अधिकारियों, कर्मचारियों ने अपनी क्षमताओं से अधिक सेवायें प्रदान की है। जिनमें विशेषकर स्वास्थ्य, पुलिस सहित अन्य विभाग शामिल है। उन्हें सम्मानित करने के लिये सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाना है। जिसमें अध्यक्ष कलेक्टर, सदस्य के रूप में पुलिस अधीक्षक, सीमएचओ, जिला आयुष अधिकारी रहेंगे। जानकारी के अनुसार समाजसेवी, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी नोवेल कोरोना वायरस के दौरान उत्कृष्ट कार्य करते हुये स्वयं कोरोना ग्रस्त हो गये। उन्हें सम्मान की पात्रता होगी। समिति द्वारा सर्वसमिति से लिये निर्णयानुसार चयनित समाजसेवी, शासकीय अधिकाारियों-कर्मचारियों को कोरोना योद्धा सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। किसी भी बाद-विवाद की स्थिति में जिला कलेक्टर का निर्णय अंतिम सर्वमान्य रहेगा। इस संबंध में सम्मानित होने वाले योद्धाओं की जानकारी 7 दिवस के अंदर अपर कलेक्टर जिला मुरैना को उपलब्ध करावें।

सूखे की आपदा

जरा सोचिए, अगर आपकी गाड़ी के एक्सीडेंट में सामने का शीशा टूट जाए, लेकिन बीमा कंपनी यह कहकर आपको कुछ भी हर्जाना देने से मना कर दे कि पहिए और इंजन तो बच गए हैं। अगर किसी की दुकान जल जाए, लेकिन मुआवजा न मिले, क्योंकि बाकी पड़ोसियों की दुकानें नहीं जलीं। या फिर आप मकान खरीदने के लिए लोन लें और आपसे बिना पूछे ही आपके मकान का बीमा कर दिया जाए और उसका खर्च आपकी लोन अदायगी की किस्त में जोड़ दिया जाए। आप कहेंगे यह क्या मजाक है? यह तो अंधेरगर्दी है! हमारे लोकतांत्रिक देश में यह सब नहीं चल सकता। लेकिन आप सही नहीं सोच रहे। यह सब मेरे-आपके देश में होता आ रहा है, आज भी चल रहा है। आज भी किसान को फसल मुआवजे के नाम पर इस मजाक को हर साल झेलना पड़ता है। अब जब देश भर में सूखा फैला है, तो यह मजाक आने वाले कई महीनों तक किया जाएगा। दफ्तरों में फाइल-फाइल का खेल होगा, मंत्री और अफसर दौरा करेंगे, घोषणाएं होंगी और फिर किसानों को 80 या 140 रुपये के चेक मिलने की खबरें छपेंगी। फिर अचानक कुछ किसानों की आत्महत्या की खबर आएगी। लेकिन किसानों को प्राकृतिक आपदा से बचाने या फिर उसका पर्याप्त मुआवजा देने की व्यवस्था नहीं बनेगी। फसल को किसी भी आपदा से नुकसान होने पर उसकी भरपायी करने की सारी व्यवस्था आज भी दान खाते से चलती है। अंग्रेजों के जमाने की तरह आज भी सरकार माई-बाप वाले अंदाज में किसानों के कटोरे में चंद टुकड़े डाल देती है और उनसे उम्मीद रखती है कि वे अपना मुंह बंद रखें। ऐसे-ऐसे नियम हैं, जो किसी और तबके के बारे में नहीं चल सकते। एक नियम यह है कि प्राकृतिक या अन्य किसी आपदा से प्रभावित किसानों को तब तक मुआवजा नहीं मिलेगा, जब तक उसके आस-पास के एक बड़े इलाके में उस आपदा का असर न हुआ हो। यह इलाका कभी तहसील जितना बड़ा होता है, कभी पंचायत जितना। यह बात सूखे और बाढ़ के लिए तो लागू हो सकती है, लेकिन ओलावृष्टि या जंगली जानवरों का प्रकोप जैसी आपदाएं एक छोटे इलाके में भी आती हैं। किसान मारा जाता है, लेकिन सरकारी बाबू की फाइल उसे आपदा मानने से इनकार कर देती है। नियम यह भी था कि जब तक फसल का कम से कम 50 फीसदी नुकसान न हो, तब तक एक पैसा भी मुआवजा नहीं मिलेगा। मोदी सरकार ने एक अच्छा काम यह किया है कि इस सीमा को घटाकर 33 फीसदी कर दिया है। फिर भी सवाल यह है कि ऐसी सीमा हो ही क्यों? यूं भी नुकसान को नापने का कोई ऐसा तरीका नहीं बना है, जिसमें सरकार की मनमानी न चलती हो। मान लिया गया है कि कम से कम 33 फीसदी नुकसान पर मुआवजा मिलेगा, लेकिन सरकार देना न चाहे, तो तहसीलदार और पटवारी को इशारा हो जाता है और वे 30 फीसदी से ज्यादा नुकसान दिखाते ही नहीं। अगर इस नियम से पार पाकर किसान मुआवजे का हकदार हो भी जाए, तो भ्रष्टाचार और लालफीताशाही किसान का इंतजार करती है। नुकसान का मूल्यांकन करते वक्त पटवारी मनमानी करता है। कोई भी बड़ी आपदा हो, तो राज्य सरकारें हाथ खड़े कर देती हैं। कहती हैं कि केंद्र सरकार पैसा दे। जिस तरह की मनमानी पटवारी गांव में करता है, केंद्र सरकार उसी तरह की मनमानी राज्य सरकारों को आपदा राहत कोष बांटने में करती है।

कागज पर मुआवजे के रेट बारानी खेती में 2,700 रुपये प्रति एकड़ से लेकर सदाबहार खेती में 7,500 रुपये एकड़ तक हैं, लेकिन पैसे हों तो रेट मिलें। असलियत में हजारों का नुकसान खा चुके किसान को कुछ सौ रुपये एकड़ के हिसाब से चेक मिलता है। और उसके लिए भी दफ्तर के चक्कर लगते हैं, बाबू और पटवारी का कमीशन कटता है, महीनों का इंतजार होता है।

रही बात फसल बीमा की, तो उसमें भी अब तक किसानों को निराशा ही मिली है। इस साल फिर सूखा है, फिर किसानों की दुर्दशा पर चर्चा होगी, सूखा राहत की योजनाओं की घोषणा होगी। क्या इस बार हम इस विषय पर नए तरीके से सोचने को तैयार होंगे या फिर प्रकृति के साथ-साथ विचारों का भी अकाल जारी रहेगा? मन और मस्तिष्क के सूखे को समाप्त कराने का संकल्प लेकर हम कुछ साथी देश के सूखा प्रभावित जिलों में संवेदना यात्रा पर निकल रहे हैं। गांधी जयंती के दिन कर्नाटक से शुरू होने वाली यह यात्रा दो हफ्ते तक देश के सात राज्यों के 25 जिलों में गांव-गांव जाएगी, सूखे के सच को समझने और समझाने की कोशिश करेगी। सूखे के मुआवजे को हम दान या खैरात की तरह देखने की बजाय अधिकार की भाषा में समझ सकते हैं। सबको मुआवजा, बिना शर्त मुआवजा, जितना नुकसान उतना मुआवजा जैसी बुनियादी मांग पर राष्ट्रीय सहमति बना सकते हैं। आधुनिक विज्ञान और तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसी योजना बना सकते हैं कि फसल के नुकसान के मूल्यांकन और मुआवजे के भुगतान में किसान भ्रष्टाचार का शिकार न हो। परंपरागत सूझ-बूझ का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे बारिश की कमी से सूखे और अकाल की स्थिति न बने। सूखे की राष्ट्रीय आपदा हमारी संवेदना से सिर्फ करुणा नहीं, बल्कि संकल्प भी मांगती है, सिर्फ ईमानदारी ही नहीं, समझदारी भी मांगती है। सूखे के सामने यही हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है।

जय-गणेश देवा.....

एक बार की बात है, भगवान शंकर कैलाश पर्वत से बाहर भोगवती नामक स्थान पर गए हुए थे. पार्वतीजी को स्नान करना था. उन्होंने पीठी से एक बालक का पुतला बनाया और पानी के छींटे देकर उसे सजीव किया. उन्होंने उसे अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया. उन्होंने उसे आज्ञा दी - मैं स्नान करूँ, तब तक तुम दरवाजे पर पहरा दो, और किसी को भी अन्दर मत आने देना.

थोड़ी देर में भगवान शंकर भोगवती से लौट कर आ गए. उन्होंने अपने घर में

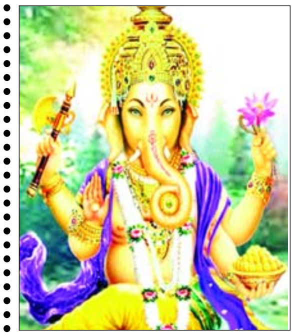

घुसना चाहा, तो बालक नें उन्हें दरवाजे पर रोक दिया. इस प्रकार अनजान बालक द्वारा रोके जाने से भगवान बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने क्रोधवश युद्ध कर बालक का सिर काट दिया और घर में प्रवेश किया. पार्वती जी ने जब शंकर की तनी हुई भृकुटी देखी तो सोचा की कदाचित भोजन में देरी होने के कारण स्वामी नाराज हैं. वे तुरंत भोजन तैयार कर दो थाली परोसकर ले आई और भगवान से निवेदन किया. भगवान शिव ने आश्चर्य से पूछा - यह दूसरी थाली किसके लिए लगाई है ? पार्वती ने उत्तर दिया - दरवाजे पर पहरा देनेवाले आपके पुत्र के लिए है. और उन्होंने बालक की उत्पति की सारी बात बता दी. यह सुनकर भगवान शिव ने कहा - मैंने तो उसकी जीवनलीला ही समाप्त कर दी है. इस पर पार्वतीजी बहुत व्याकुल हो कर विलाप करने लगी. उन्होंने पुत्र को पुनः जीवित करने के लिए अपने पति से प्रार्थना की. तब पार्वती जी को प्रसन्न करने के लिए शिवजी ने एक गण को आदेश दिया की बाहर जाओ और जो भी मिले उसका सर काट कर ले आओ. गण बाहर गया और हाल ही में पैदा हुए हाथी के बच्चे का सिर काट लाया. भगवान ने उसे हाथी के सिर को बालक के धड पर लगा दिया . पार्वतीजी अपने पुत्र को पाकर बड़ी प्रसन हुई. उन्होंने उसका नाम गजानंद रखा. उन्होंने अपने पुत्र और पति को भोजन करवाया. भगवान शंकर ने बालक को अपने सभी गणों का ईश बनाते हुए गणेश का नाम दिया और कहा जो भी आज के दिन तुम्हारा व्रत- पूजन- जप करेगा, उसकी विघ्न - बाधाएं तुम हारोगे और उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी

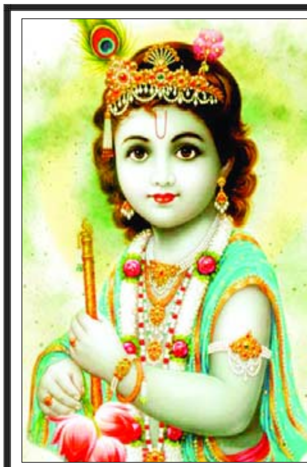

श्रीकृष्ण की अद्भुत लीला

जन्माष्टमी के दिन भगवान विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण का जन्म उत्सव बड़ी ही धूम-धाम से पूरे देश में मनाया जाता है। भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण अवतार क्यों लिया, धर्म ग्रंथों के अनुसार इसका कारण इस प्रकार है- द्वापर युग में जब पृथ्वी पर मानव रूपी राक्षसों के अत्याचार बढ़ने लगे। तब पृथ्वी दुःखी होकर भगवान विष्णु के पास गईं। तब भगवान विष्णु ने कहा मैं शीघ्र ही पृथ्वी पर जन्म लेकर दुष्टों का सर्वनाश करूंगा। द्वापर युग के अंत में मथुरा में उग्रसेन राजा राज्य करते थे। उग्रसेन के पुत्र का नाम कंस था। कंस ने उग्रसेन को बलपूर्वक कारागार में डाल दिया और स्वयं राजा बन गया।

कंस की बहन देवकी का विवाह यादव कुल में वासुदेव के साथ तय हुआ। जब कंस देवकी को विदा करने के लिए जा रहा था तभी आकाशवाणी हुई कि- देवकी का आठवां पुत्र कंस का वध करेगा । यह सुनकर कंस डर गया और उसने देवकी और वासुदेव को कारागार में डाल दिया और एक-एक कर देवकी की होने वाली संतानों का वध करने लगा। आठवें गर्भ से श्रीकृष्ण का जन्म हुआ, लेकिन माया के प्रभाव से किसी को इस बात का पता नहीं चला कि देवकी की आठवी संतान गोकुल में नंदबाबा के यहां पल रही है। यहां भी श्रीकृष्ण ने अपनी लीला से कई राक्षसों का वध किया और अंत में कंस का वध कर राजा उग्रसेन को सिंहासन पर बैठाया। श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध में पाण्डवों का साथ दिया और अधर्म का नाश कर धर्म रूपी युधिष्ठिर को सिंहासन पर बैठाया।

हर्बल चाय पिएं, बीमारियों से बचें

स्वाइन-फ्लू की बीमारी से बचाव के लिए हर्बल चाय बहुत लाभदायक हो सकती है। यह चाय आप अपने रसोई घर में भी आसानी बना सकते हैं। यह हर्बल चाय लौंग, इलायची, सोंठ, हल्दी, दालचीनी, गिलौय, तुलसी, कालीमिर्च और पिप्पली को बराबर मात्रा में लेकर चूर्ण बनाकर तैयार की जा सकती है। इस चूर्ण की दो ग्राम मात्रा एक कप चाय में डालकर उसे अच्छी तरह उबालकर सुबह-शाम पीने पर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और स्वाइन-फ्लू जैसी बीमारी से भी बचाव होता है। सामान्य स्थिति में भी लोग इस हर्बल चाय का सेवन कर सकते हैं।

स्वाइन फ्लू को लेकर भ्रमित होने और घबराने की जरूरत नहीं है। आम तौर पर मौसम में बदलाव के समय फ्लू अथवा सर्दी, जुकाम, बुखार की शिकायत होती रहती है, लेकिन सामान्य इलाज से ये शिकायतें दूर हो जाती हैं।कपूर और इलायची को पीसकर कपड़े में छोटी पोटली बनाकर रखें और उसे बार-बार सूंघते जाएं, तो स्वाइन-फ्लू सहित कई प्रकार के फ्लू यानी सर्दी, जुकाम, सिरदर्द, बुखार आदि से बचा जा सकता

है। इसके अलावा चिरायता, गुडुची, अनंतमूल, सोंठ, हल्दी, कालमेघ, वासा और तुलसी का काढ़ा बनाकर पीने से भी इस बीमारी के इलाज में फायदा होता है। मरीज को नीलगिरी तेल का वाष्प लेना चाहिए। इसके साथ ही सितोपलादि चूर्ण, त्रिकटु चूर्ण, लक्ष्मी विलास रस, गोदंती, श्रंग-भस्म आदि का सेवन आवश्यकता अनुसार चिकित्सक के परामर्श से करना चाहिए। स्वाइन-फ्लू कोई नयी बीमारी नहीं है, बल्कि यह सामान्य प्रकार के फ्लू के लक्षणों के समान लक्षण वाला फ्लू (प्रतिश्याय) है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में इसका कारण एच-वन-एन-वन नामक विषाणुओं को माना गया है। प्रकृति में ऐसे असंख्य विषाणु वातावरण में मौजूद हैं, जिन्हें कभी नष्ट नहीं किया जा सकता, लेकिन उनसे बचाव किया जा सकता है। आयुर्वेद के आचार्यों ने हजारों वर्ष पहले इसका वर्णन कर दिया था। शरीर में त्रिदोष (वात, पित्त और कफ) जीवाणुओं से प्रकोपित होकर शरीर में रोग उत्पन्न करते हैं। जब तक त्रिदोष संतुलित अवस्था में होते हैं, तब तक जीवाणुओं की शक्ति कम होती है, लेकिन त्रिदोष का संतुलन बिगडने पर बीमारी की स्थिति निर्मित होती है। प्रकृति ने इन जीवाणुओं और विषाणुओं के बीच ही मनुष्य को स्वस्थ बने रहने के लिए उच्च प्रतिरोधक क्षमता प्रदान की है, लेकिन दूषित आहार और अनियमित जीवन शैली की वजह से मनुष्य की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती जा रही है। गातार बुखार, खांसी, गले में खराश, निगलने में परेशानी, शरीर में दर्द, कमजोरी और थकान, भूख नहीं लगना, अरूचि, छींक आना, स्वाइन-फ्लू के लक्षण हो सकते हैं।आयुर्वेद के अनुसार स्वाइन-फ्लू वास्तव में वात-श्लैश्मिक ज्वर है। इससे बचे रहने के लिए शुद्ध और शाकाहारी भोजन करना चाहिए, वात एवं कफ शामक, गर्म और स्निग्ध आहार अल्प मात्रा में लेना चाहिए, पर्याप्त नींद लेनी चाहिए, खुली और साफ हवा में रहना चाहिए, यानी कमरे हवादार होने चाहिए और उनमें सूर्य की रौशनी पर्याप्त मात्रा में आनी चाहिए, उबालकर ठंडा किया हुआ पानी अधिक मात्रा में पीना चाहिए, सवेरे नियमित रूप से प्राणायाम करना चाहिए, फ्लू के रोगियों से दूर रहना चाहिए, यथासंभव भीड़ से बचना चाहिए, सुअर के बाड़े अथवा सुअरों से दूर रहना चाहिए, उल्टी, छींक, खांसी आदि शारीरिक वेगों को नहीं रोकना चाहिए।

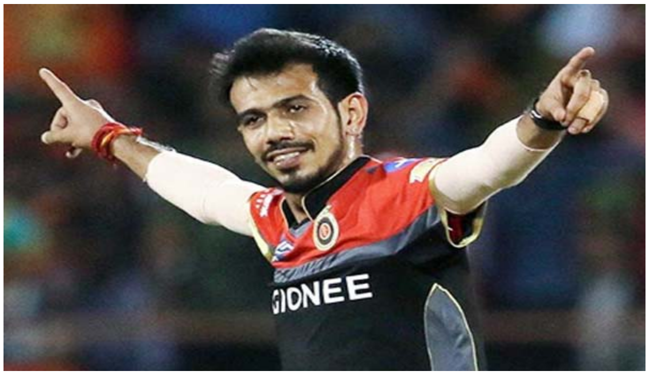

रॉयल चैलेंजर्स ने युजवेंद्र चहल के बेंगलुरु पहुंचते ही किया होटल कक्ष में बंद

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की स्पर्धा इस साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक आयोजित की जाएगी। आईपीएल के 13वें सत्र का कोरोना के कारण इस साल भारत में आयोजन नहीं होगा। ऐसे में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने युजवेंद्र चहल का एक वीडियो शेयर किया है। जो खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, आरसीबी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा- क्वारंटाइन युज़ी %की अपनी उलटी गिनती प्राथमिकताएं हैं। बता दें कि आरसीबी के स्पिनर युजवेंद्र चहल बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। जिसके बाद उन्होंने चहल का एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। चहल होटल रूम से बाहर निकल रहे थे और ऑफिशियल ने उन्हें ऐसा करने से रोका। क्रिकेटरों को सेल्फ आइसोलेशन नियमों को कड़ाई से पालन करने के लिए कहा गया है। वीडियो में चहल अपने रूम से पैर बाहर रखते हैं और फिर अंदर कर लेते हैं, वो ऐसा ही कुछ देर करते रहते हैं। गौर हो कि चहल आईपीएल की तैयारियों में लग गए है। हालांकि युजी के क्रिकेट करियर पर नजर डाले तो उन्होंने 52 वनडे मैचों में 91 विकेट झटक चुके हैं। उनका बेहतरीन प्रदर्शन 22 रन देकर 5 विकेट रहा। वहीं 42 टी20 मैचों में 55 विकेट ले चुके हैं, जिसमें उनका बेहतरी प्रदर्शन 25 रन देकर 6 विकेट रहा। इसके अलावा उनका आईपीएल करियर भी शानदार रहा। वह 84 मैचों में 100 विकेट ले चुके है।

आशीष नेहरा बोले- 22 की उम्र में पंत के पास धोनी से अधिक नैचरल टैलंट

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कैप्टन महेंद्र सिंह धोनी की संन्यास की घोषणा से लोग हतप्रभ है। उनके विकल्प को लेकर भी चर्चाएं हो रही हैं ऐसे में टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का मानना है कि 22 साल की उम्र में ऋषभ पंत के पास 23 साल की उम्र में टीम में आए महेंद्र सिंह धोनी के मुकाबले ज्यादा नैचरल टैलंट है। ऋषभ पंत को हालांकि लगातार अपने खराब शॉट सिलेक्शन के वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। ऋषभ पंत पहले सीमित ओवरों की टीम का नियमित हिस्सा थे लेकिन टीम प्रबंधन ने अब वनडे इंटरनेशनल में उनके स्थान पर केएल राहुल को प्रमोट करना शुरू कर दिया है। राहुल ने विकेट के पीछे और बल्ले, दोनों से बेहतर खेल दिखाकर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी जगह पक्की कर ली है।

धोनी के संन्यास के बाद महान खिलाड़ी का विकल्प मिलना असंभव : कुलदीप यादव

कानपुर। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की अचानक घोषणा से भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा झटका बताते हुए चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने कहा है कि इस महान खिलाड़ी का विकल्प मिलना कठिन है और लंबे समय तक धोनी जैसे फिनिशर की टीम को तलाश रहेगी। आईपीएल की तैयारी कर रहे कुलदीप ने बातचीत में कहा, 'धोनी की कमी निस्संदेह टीम को खलेगी। उन जैसा शानदार फिनिशर पाने के लिए टीम को इंतजार करना पड़ेगा। वह मैदान पर हम जैसे युवा गेंदबाजों का प्रेरणास्त्रोत बने रहते थे। उनके मैदान पर रहते गेंदबाजी करना आसान हो जाता था। वह बराबर गेंदबाजों को गाइड करते रहते थे जिससे लाइन और लैंथ बरकरार रखने में मदद मिलती थी। भारतीय टीम की मदद के लिए धोनी को बीसीसीआई की ओर से किसी और भूमिका में लाये जाने की संभावना पर उन्होंने कहा, 'वह एक महान खिलाड़ी हैं। उन्होंने इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेली है। हमे उन्हें कुछ समय आराम करने का समय देना चाहिए। निस्संदेह वह टीम इंडिया के भविष्य के लिए काफी कुछ कर सकते हैं। वह एक क्लास प्लेयर है और मुझे लगता है कि बीसीसीआई को जब उनकी मदद की जरूरत होगी, वह जरूर आएंगे।

आइसोलेशन के दौरान खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखना बड़ी चुनौती : फारवर्ड एसवी सुनील

बेंगलुरु। भारतीय हॉकी टीम का साई के नेशनल एक्सीलेंस सेंटर में 14 दिनों का क्वारेंटीन मंगलवार को पूरा हो गया। इसके बाद टीम के फारवर्ड एसवी सुनील ने आइसोलेशन के अनुभवों को साझा करते हुए उस दौरान की बेहतर गतिविधियों के लिए टीम की एकजुटता को श्रेय दिया। 31 वर्षीय सुनील ने कहा कि लंबे समय तक आइसोलेशन में रहने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखना था। सुनील ने कहा,मुझे लगता है कि हम सभी को पिछले दो हफ्तों में यह एहसास हुआ कि हम सभी को मानसिक रूप से मजबूत होने की आवश्यकता है और इस सुनिश्चित करने के लिए कि हम हमेशा अपने दोस्तों, परिवार और टीम के साथियों के संपर्क में रहे। उन्होंने कहा,कभी-कभी आपको एहसास नहीं होता है कि किसी चीज के लिए कितने प्रयास की जरूरत है, लेकिन आइसोलेशन में रहने के बाद, मैं उन सभी लोगों की पीड़ा समझ सकता हूं जो क्वारेंटीन केंद्रों या घर में आइसोलेशन में रह चुके हैं। उन्होंने कहा, यह मानसिक तौर पर एक बड़ी चुनौती है और वास्तव में आपके धैर्य की परीक्षा है।इसकारण महामारी के दौरान जो लोग इस तरह के मौकों से उबर चुके हैं उनके प्रति मेरे मन में काफी सम्मान है।% 2014 एशियन खेल के स्वर्ण पदक विजेता सुनील ने कहा, 'हम आंतरिक फिटनेस शेड्यूल का पालन करके अपने फिटनेस स्तर को बनाए रखने में सक्षम हैं।मैंने व्यक्तिगत तौर पर इन गतिविधियों में आनंद लिया है जिसमें स्ट्रेचिंग और फोम रोलिंग शामिल है। हम सुबह के सत्र में एक घंटे के लिए वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़ते हैं जिसमें सभी खिलाड़ी शामिल होते हैं। इस दौरान हमारे वैज्ञानिक सलाहकार और फिजियो कई तरह के सलाह देते हैं। वीडियो कॉल पर यह सब करने का एक अलग अनुभव रहा है। उन्होंने कहा यह देखना सुखद था कि हमें भोजन कैसे परोसा गया। हमारे दरवाजे पर बेहद सुरक्षित तरीके से भोजन मुहैया कराया गया। हम सभी वास्तव में सुरक्षित महसूस कर रहे और मैं खुश हूं कि हम बुधवार से खेल गतिविधियों को फिर से शुरू कर सकते हैं।

रैना का अचानक संन्यास लेना एक बड़ा झटका : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बल्लेबाज सुरेश रैना के संन्यास को लेकर कहा कि यह बल्लेबाज इससे बेहतर विदायी का अधिकारी था। चोपड़ा ने कहा, रैना का अचानक संन्यास लेना एक बड़ा झटका है क्योंकि अभी इस बल्लेबाज की उम्र केवल 33 वर्ष है। इसके अलावा वह टीम इंडिया में वापसी का भी प्रयास कर रहा था। चोपड़ा ने कहा, रैना ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा था कि वह टीम में वापसी के लिए खूब रन बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि घुटने की सर्जरी के बाद वह अधिक मजबूत होकर उभरे हैं और गेंद को अच्छी तरह खेल पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, रैना इससे बेहतर के हकदार थे। मुझे लगता है कि उनका बेहतर ढंग से ख्याल रखा जाना चाहिए था। क्योंकि जब भी उन्होंने वापसी की है तो तीन में से एक मैच में 40-50 रन जरूर बनाए। एक मैच में नाबाद रहे और एक में वह जल्दी आउट हुए। इसके बाद उन्हें कोई अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, रैना लगातार सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर रहे थे।

अपनी पहली कार को फिर पाना चाहते हैं सचिन

मुंबई। महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर अपनी पहली कार को फिर हासिल करना चाहते हैं हालांकि सचिन के पास बीएमडब्ल्यू, फेरारी सहित एक से बढ़कर एक कारें हैं। इसके बाद भी सचिन अपने पैसे से खरीदी गई पहली कार के प्रति भावनात्मक लगाव रखते हैं। इस महान बल्लेबाज ने टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के साथ एक शो में अपनी पहली कार के प्रति भावनात्वक लगाव को बताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन्होंने भी इस कार को खरीदा है वह उनसे संपर्क करें। शो में सचिन ने कहा, 'मेरी पहली कार मारुति-800 थी पर आज यह कार मेरे पास नहीं है। मुझे बहुत अच्छा लगेगा अगर यह फिर से मेरे पास आ जाए। जो लोग मुझे सुन रहे हैं वे इसे लेकर मुझसे संपर्क कर सकते हैं।'

धोनी के लिए आईपीएल के बाद फेयरवेल मैच आयोजित करेगी बीसीसीआई !

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के लिए शानदार फेयरवेल (विदायी) मैच आयोजित करने की योजना बना रही है। धोनी ने 15 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया था। विश्व के महानतम क्रिकेट कप्तानों में से एक धोनी ने अचानक ही खेल को अलविदा कह सबको हैरान कर दिया जबकि लोगों को उम्मीद थी कि धोनी भी महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की तरह ही मैदान से विदा होंगे हालांकि धोनी के संन्यास के बाद प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनके विदायी मैच की मांग की और अब माना जा रहा है कि बीसीसीआई भी इस बारे में घोषणा कर सकता है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई भी धोनी के लिए औपचारिक विदायी मैच का आयोजन करने तैयार है। बोर्ड आगामी आईपीएल के दौरान इस मामले में धोनी से बात करेगा और फिर उसी के अनुसार आगे का कार्यक्रम तय होगा। बीसीसीआई अधिकारी का कहना है कि फिलहाल कोई अंतरराष्ट्रीय सीरीज नहीं है। ऐसे में आईपीएल के बाद धोनी के लिए फेयरवेल मैच का आयोजन किया जा सकता है।

चीन में अगले साल होने वाले यूनिवर्सिटी गेम को लेकर अभ्यास करती हुई इन खेलों की एंबेसर जियांग बहनें।

महिंद्रा एक्सयूवी 300 के दाम में 90 हजार तक की कमी

नई दिल्ली। स्वदेशी सबसे बड़ी यूटिलिटी वीकल कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा को घटती सेल्स के कारण दबाव का सामना करना पड़ रहा है। मार्केट में खुद को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और बड़ी संख्या में ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए महिंद्रा ने हाल में एक्सयूवी300 के दाम में 90,00 रुपये तक की कटौती की है। कंपनी डीलर्स का कहना है कि महिंद्रा के यूटिलिटी वीकल्स की रेंज ओवरप्राइस्ड है, इसके यूवी की शुरुआती कीमत 8 लाख रुपये है। इसके अलावा, सप्लाई का इश्यू भी है और कंपनी अपने डीलर्स को पर्याप्त वीकल्स डिस्पैच नहीं कर पाई है। महिंद्रा के एक डीलर विंकेश गुलाटी कहना है, %कंपनी ने हाल में अपने कुछ यूटिलिटी वीकल्स के प्राइसेज को दुरुस्त किया है। एक्सयूवी300 के डब्ल्यू 80 पेट्रोल वेरियंट के दाम में करीब 87,000 रुपये की कमी की गई है, हमें उम्मीद इससे वॉल्यूम बढ़ने की उम्मीद है।%

दिलचस्प बात यह है कि ह्यूंदै मोटर्स पहली बार यूटिलिटी वीकल्स की सेल्स में देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी से भी आगे निकल गई है। चालू वित्त वर्ष के पहले 4 महीनों (अप्रैल से जुलाई) में ह्यूंदै ने 34,212 यूटिलिटी वीकल्स बेची, जबकि मारुति सुजुकी ने 32,577 यूटिलिटी वीकल बेचीं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बेस्ट सेलिंग क्रेटा के साथ वेन्यू की अच्छी डिमांड से ह्यूंदै की ग्रोथ को मजूबती मिली है। चालू वित्त वर्ष के पहले 4 महीने में 21,968 क्रेटा और 12,105 वेन्यू की बिक्री हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। बाजार में यह बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही विदेशी मुद्रा का प्रवाह जारी रहने से आई है। कारोबार की शुरुआत में बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स217.77 अंक करीब 0.57 फीसदी बढ़कर 38,746.09 अंक जबकि एनएसई का निफ्टी 63.60 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी बढ़कर 11,448.95 अंक पर पहुंच गया। स्टेट बैंक का शेयर सबसे अधिक दो फीसदी बढ़ा। इसके अलावा एल एण्ड टी, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, आईसीआईसीआई बैंक, सन फर्मा, एक्सिस बैंक, आईटीसी और बजाज आटो के शेयरों में तेजी रही। वहीं इसके विपरीत एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, टाटा स्टील, कोटक बैंक और इन्फोसिस के शेयर नीचे आये। जानकारों के मुताबिक घरेलू दुनिया भर के बाजारों से मिले संकेतों से घरेलू बाजार को भी बल मिला है।

बजाज प्लेटिना 100 ईएस लांच, कीमत 60,698 रुपये

नई दिल्ली। बजाज प्लेटिना 100 ईएस को जल्द ही डिस्क वेरिएंट मिलने की अफवाह थी।इसकी पुष्टि बजाज ऑटो ने आधिकारिक तौर पर उसी की कीमतों की घोषणा के साथ की है। भारत में बजाज प्लेटिना 100 ईएस की कीमत 60,698 रुपये है। यह फ्रंट ड्रम ब्रेक मॉडल से 2,221 रुपये अधिक है। डिलीवरी के साथ-साथ बुकिंग भी पैन-इंडिया शुरू हो गई है। प्लेटिना 100 केएस बेस मॉडल भी है,जिसकी कीमत 50,464 रुपये है। कलर स्कीम सभी मॉडलों के समान हैं। सभी नए प्लेटिना 100 ईएस अपने प्रथम श्रेणी के नाइट्रॉक्स सस्पेंशन के साथ लंबी सवारी पर 15प्रतिशत अधिक आराम प्रदान करते हैं। कामफॉरटेक तकनीक के साथ सबसे

आरामदायक प्लेटिना 100 बनाता है। रास्ते लंबे या छोटे, पहले से कहीं अधिक आराम से सवारी करें। बजाज प्लेटिना 100ईएस डिस्क वेरिएंट में 102सीसी, डीटीएस-आई सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 7.9एचपी पावर और 8.3एनएम टॉर्क जेनरेट करता है। साथ ही 4 स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। बजाज का दावा है कि इस बाइक की टॉप स्पीड 90किलोमीटरप्रतिघंटा है। बाइक में 11 लीटर का फ्यूल टैंक है। बाइक का कुल वजन 119 किलो ग्राम जो कि ड्रम ब्रेक वैरिएंट के मुकाबले तकरीबन 1.5 किलोग्राम ज्यादा है।बाइक की ग्राउंड क्लियरेंस 200एमएम है। सस्पेंशन के मामले में बजाज का दावा है कि प्लेटिना 100 ईएस डिस्क का फ्रंट सस्पेंशन अन्य की तुलना में अपने क्लास में बम्प्स को बेहतर तरीके से अब्जॉर्ब करने के लिए तैयार है।

कोविड-19 के दृष्टिगत गणेश प्रतिमा एवं ताजिए घरों के अंदर ही स्थापित करें, जिला शांति समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीगणेश उत्सव एवं मोहर्रम का त्यौहार शांति और सदभाव के साथ मनाने की अपील

ग्वालियर। श्रीगणेश उत्सव एवं मोहर्रम का त्यौहार नागरिक अपने घरों के अंदर ही मनाएँ। श्रीगणेश की प्रतिमा एवं ताजियों को भी घरों के अंदर ही रखा जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित जिला शांति समिति की बैठक में यह अपील की गई है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आगामी दिनों में आयोजित अनंत चतुर्दशी, डोल ग्यारस एवं मोहर्रम के त्यौहार को लेकर जिला शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कोविड-19 के दृष्टिगत त्यौहारों को घरों के अंदर ही मनाने का निर्णय भी सर्वसम्मति से लिया गया। त्यौहारों के आयोजन के मौके पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी सभी नागरिक करें, इसकी अपील जिला शांति समिति ने की। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, एडीएम श्री किशोर कान्याल, एडिशनल एसपी श्री पंकज पाण्डेय के साथ ही जिला शांति समिति के सदस्य सर्वश्री संत कृपाल सिंह, काजी तनवीर, अख्तर हुसैन, बसंत गोडियाले, विनायक गुप्ता, दीपक शर्मा सहित सदस्यगण और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि आगामी त्यौहारों में श्रीगणेश प्रतिमा एवं ताजिए एक फीट से अधिक ऊँचाई के न हों और सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित न किए जाएं। त्यौहारों के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी सुनिश्चित किया जाए। गणेश उत्सव एवं मोहर्रम पर 5 से अधिक लोग एक स्थान पर एकत्रित न हों, ताकि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके। उन्होंने कहा कि गणेश प्रतिमा एवं ताजियों के विसर्जन के लिए जिला प्रशासन एवं नगर निगम के माध्यम से वाहनों की व्यवस्था की जायेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में यह भी बताया कि गणेश प्रतिमाओं के विक्रय हेतु भी स्थल निर्धारित किए गए हैं। इन स्थलों पर ही गणेश प्रतिमाओं के विक्रय की अनुमति प्रदान की जायेगी। गणेश प्रतिमा विक्रय हेतु मेला ग्राउण्ड, गोरखी स्कूल प्रांगण, इंटक मैदान, रामलीला मैदान डीडीनगर, ठाठीपुर मैदान, मुरार रामलीला मैदान, मनोरंजनालय हजीरा, इन्द्रप्रस्थ गार्डन गोला का मंदिर, कम्पू हॉकर्स जोन, महिला हॉकर्स जोन कम्पू, छत्रीमंडी रामलीला मैदान, गोल पहाड़िया हॉकर्स जोन, रामदास घाटी हॉकर्स जोन, आमखो पुराना बस स्टेण्ड, जीवायएमसी मैदान, फूलबाग मैदान, रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल के सामने का मैदान के साथ ही हजीरा चौराहे के पास स्थित चौपाटी को भी विक्रय केन्द्र बनाया जायेगा। पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी ने शांति समिति के सदस्यों से कहा ि?क त्यौहारों के दौरान शांति और सदभाव का माहौल बना रहे, इसके साथ-साथ कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिये जो प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं उसका पालन हो, इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

समिति के सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्र में भी

सीईओ शिवम वर्मा ने किया जनपद पंचायत भितरवार क्षेत्र का भ्रमण

ग्वालियर। शासकीय भूमि पर चयनित ग्राम पंचायत क्षेत्र में गौशाला निर्माण के लिए सीमांकन कराया जाकर प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति पश्चात निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जाए । गौशाला का निर्माण रानीघाटी मंदिर परिसर स्थित नव निर्मित गौशाला मॉडल के तहत कराया जाए । उक्त आशय के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने जनपद पंचायत भितरवार क्षेत्र भ्रमण के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिये । इस मौके पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भितरवारए वन विभाग के अधिकरीए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव उपस्थित थे। श्री वर्मा ने जनपद पंचायत भितरवार की ग्राम पंचायत बडेरा भारसए चिटौलए बाजनाए के ग्रामों का भ्रमण किया तथा मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के निर्माण कार्यो का अवलोकन किया। इसके पश्चात जनपद पंचायत घाटीगाँव की ग्राम पंचयात बन्हेरी स्थित रानीघाटी मंदिर गैशाला परिसर का अवलोकन किया एवं निर्देशित किया कि वर्षाकाल में वृक्षारोपण का सही समय है । गौशाला परिसर के साथ ही चिन्हित ग्राम पंचायत क्षेत्र में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराए जाने के साथ ही उचित रख.रखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए । भ्रमण के दौरान ग्रामवासियों से रूबरू चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान किया। साथ ही कोविड.19 संक्रमण से बचाव के लिए माह सितम्बर तक चलने वाले सहयोग से सुरक्षा अभियान की शपथ दिलाई।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह आज ग्वालियर प्रवास पर रहेंगे, ठाठीपुर कार्यालय पर आमजनों से करेंगे भेंट

ग्वालियर। उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह 20 अगस्त को ग्वालियर प्रवास पर रहेंगे । राज्यमंत्री श्री कुशवाह इस दिन प्रात 10 बजे से दोपहर एक बजे तक ठाठीपुर स्थित अपने कार्यालय पर सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखकर आम नागरिकों से भेंट करेंगे । राज्य मंत्री श्री कुशवाह दोपहर 3 बजे मंत्री समूह की बैठक में ग्वालियर से वेबीनार के माध्यम से भाग लेंगे। श्री कुशवाह 20 अगस्त की शाम को ग्वालियर में स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर ने

महाराजा मानसिंह तोमर की 519 वी जयंती पर किया कोटि-कोटि नमन

ग्वालियर। कुशल योद्धा, न्यायप्रिय शासक, कला प्रेमी, स्थापत्य शैली के जानकार, आप के शासन काल को ग्वालियर का स्वर्ण युग कहा जाता है ग्वालियर किला स्थित भव्य मानसिंह महल, गुजरी महल हिंदू स्थापना शैली के अनुपम उदाहरण हैं तोमर वंश कुलभूषण ग्वालियर के नरेश महाराजा मानसिंह तोमर जी की 519 वी जयंती पर कोटि-कोटि नमन ।महाराजा मानसिंह तोमर जी की519 वीं जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर की टीम ने महिला विंग की प्रदेशाध्यक्ष मनीक्षा सिंह तोमर एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष आदरणीय गोपाल सिंह तोमर जी के नेतृत्व में महाराजा मानसिंह तोमर जी के जन्मदिन को माल्यार्पण कर हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह तोमर जी ने राजा मानसिंह तोमर जी को याद करते हुए उनके समय के किए गए कार्यों को याद किया और इस अवसर पर संगठन के सभी साथियों ने राजा मानसिंह तोमर जी के बलिदान को याद किया और उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।। परम आदरणीय महाराजा मानसिंह तोमर जी के जन्मोत्सव के अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर की टीम ने कम्पू स्थित आश्रम स्वर्ग सदन पहुंच कर उपस्थित रोगियों को फल वितरण किया। इस अवसर पर संगठन के लोगों ने आश्रम स्वर्ग सदन के संचालकों से उनके द्वारा किए गए कार्यों में किस तरह से चुनौतियां का सामना उनको करना पड़ता है उसकी सभी प्रकार की जानकारी ली और आश्रम के सभी संचालकों को आश्वासन दिया कि भविष्य में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट सदैव आपके साथ है किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर आप संगठन को याद करें संगठन के सभी भाई सदैव आपके साथ हैं एवं पड़ाव स्थित चौराहे पर कोरोना महामारी से बचाव के लिए आम जनता को मास्क वितरण किए।। आज के कार्यक्रम में महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष मनीक्षा सिंह तोमर महिला जिला अध्यक्ष ग्वालियर मंजू सिंह सेंगर ,शकुंतला सिंह तोमर, अनुराधा सिंह, मिथिलेश सिंह, राहुल प्रताप सिंह परमार, जितेंद्र सिंह भदोरिया ,धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा ,सुरेंद्र सिंह परमार,शैलेंद्र सिंह राठौड़ ,राम तोमर, अरविंद परमार, रोहित राजावत ,ओंकार सिंह चौहान, गोलू चौहान, कविश परमार, दीपेंद्र भदोरिया , शैलेंद्र सिंह चौहान, सनी राजावत,आदि अधिक साथी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने डीएलसीसी की बैठक में बैंकर्स को दिए निर्देश

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के स्ट्रीट वेंडर्स को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर ऋण मंजूर करें : वर्मा

ग्वालियर। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के पथ व्यवसाइयों (स्ट्रीट वेंडर) के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर ऋण मंजूर करें। साथ ही तेजी से ऋण वितरण भी कराएँ, जिससे वे अपना काम-धंधा शुरू कर सकें। यह बात जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने डीएलसीसी (जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार एवं समीक्षा समिति) की बैठक में विभिन्न बैंकों के समन्वयकों से कही। उन्होंने कहा केन्द्र व राज्य सरकार ने लॉकडाउन की वजह से परेशानी में आए पथ व्यवसाइयों की मदद के लिये बैंकों के माध्यम से योजनायें शुरू की हैं। श्री वर्मा ने बैंकर्स से कामकाज के दौरान कोरोना गाइडलाइन का पालन करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही कोरोना के खिलाफ लड़ाई जीती जा सकती है। बुधवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई डीएलसीसी की बैठक में वर्ष 2020-21 के लिए जिले की बैंकों की वार्षिक साख योजना का अनुमोदन भी किया गया। वार्षिक साख योजना में अगले वित्तीय वर्ष के दौरान कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग व प्रायोरिटी सेक्टर

सहित अन्य आर्थिक गतिविधियों में जिले के एक लाख 74 हजार 960 इकाईयों के लिये 7,43,065 लाख रूपए का ऋण देने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें कृषि क्षेत्र के लिये 4,52,248 लाख का प्रावधान शामिल है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा शहरी क्षेत्र के पथ व्यवसाइयों को काम धंधे के लिए प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना शुरू की गई है। इसी तरह प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के पथ विक्रेताओं के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना शुरू की गई है। दोनों योजनाओं के तहत हर जरूरतमंद पथ विक्रेता को 10 ङ्क 10 हजार रूपए का ऋण मंजूर किया जाना है। इनका ब्याज दोनों सरकार भरेंगी। सभी बैंकों के समन्वयकों ने स्ट्रीट वेंडर के लिए शीघ्रता से लोन मंजूर करने पर बैठक में सहमति जताई। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित महिला स्व-सहायता समूहों के लिये कैश क्रेडिट लिमिट मंजूर करने में तेजी लाने पर भी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलायें आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसलिये बैंकर्स भी सहयोगात्मक रवैया अपनाकर पूरी संजीदगी के साथ उनके प्रकरण मंजूर करें। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना व किसान क्रेडिट कार्ड सहित शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार मुहैया कराने के लिये सरकार द्वारा बैंकों के सहयोग से संचालित स्वरोजगारमूलक योजनाओं की समीक्षा भी की गई। साथ ही इन योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति पर विशेष जोर दिया गया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री सुशील कुमार एवं नाबार्ड के प्रतिनिधि श्री संजीव रमन सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक एवं संबंधित अधिकारी बैठक में मौजूद थे।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।

हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।

पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207

नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

Pro- Bipin Singh Tomar
संपर्क करें 1759475 9713253992
Vipintomar172@gmail.com
Somya Advertise & Marketing Service
Boost Your Business In Lockdow
Promote Your Business & Generate Leads
Bulk Sms & Voice call Marketing
Door To Door Marketing
Bulk Whatsapp Sender
Flex And Pritning & Printing Media
Digital Marketing
विज्ञापन के लिये संपर्क करें
Add- Radha Krishna Plaza Near By Police Choki Sabji Mandi Pinto Park Gwalior (M.P.)

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478